आषाढ़ शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 332 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 02-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 देश की करोड़ों महिलाओं के लिए आदर्श हैं राष्ट्रपति मुर्मू : योगी आदित्यनाथ

6 समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा की जरूरत

7 इंतजार का कोई मलाल नहीं : शनाया कपूर

फर्स्ट टेक

भारत और फ्रांस की सेनाओं ने संयुक्त अभ्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय और फ्रांसीसी सेनाओं ने सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त परिचालन तैयारियों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए फ्रांस में दो सप्ताह का युद्धाभ्यास किया। फ्रांस की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि 18 जून से एक जुलाई तक आयोजित भारत-फ्रांस सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के लिये लगभग 50 बख्तरबंद और सामरिक वाहन और लड़ाकू जेट तैनात किए गए थे। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अभ्यास में फ्रांसीसी सेना, विदेशी स्वयंसेवक सैनिक, साथ ही फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना तथा फ्रांसीसी नौसेना की विभिन्न इकाइयों के 500 से अधिक सैनिक और सैन्यकर्मी शामिल हुए।

पुतिन और मैक्रों ने फोन पर पश्चिम एशिया, यूक्रेन पर चर्चा की

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा की। उनकी यह बातचीत ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले के बाद हुई है। पुतिन और मैक्रों के बीच लगभग तीन साल बाद फोन पर बात हुई है। क्रेमलिन प्रेस कार्यालय ने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के रूप में पश्चिम एशिया में स्थिरता बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने ईरान के असैन्य परमाणु अनुसंधान के अधिकार को रेखांकित किया।

सुरक्षा बलों ने माओवादियों की 18,000 डेटोनेटर की एक बड़ी खेप का पता लगाया

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक वन क्षेत्र में माओवादियों की 18,000 डेटोनेटर की एक बड़ी खेप का पता लगाया है। पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। विस्फोटक टोंटो थाना क्षेत्र के हुसिपी गांव के पास मिले। पुलिस ने बताया कि विस्फोटकों को नक्सल रोधी अभियान में शामिल सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाने के इरादे से जंगल में छुपाया गया था। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के सुरक्षा कर्मियों ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया और डेटोनेटर जब्त किए। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने विस्फोटकों को मौके पर ही निष्क्रिय कर दिए।

02-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 03-07-2025 सूर्योदय 5:46 बजे

BSE	NSE
83,697.29 (+90.83)	25,541.80 (+24.75)

सोना	चांदी
10,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	119,575 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उसे सबकी खबर

सबद कीर्तन अजां आरती,
अपने मन से चुनता है।
माया के इस मकड़जाल को,
निज हाथों से बुनता है।
क्यों इस शोर शराबे में तू,
अपने सिर को धुनता है।
चींटी के पैरों की आहट,
को भी मालिक सुनता है।।

शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

श्रीमती मुर्मू ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह व पंचकर्म सेंटर का लोकार्पण तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। राष्ट्रपति ने वन महोत्सव के अंतर्गत यहां भी रुद्राक्ष का पौधा रोपा, फिर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि नए महिला छात्रावास का शिलान्यास कर सबसे अधिक खुशी हो रही है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है।

राष्ट्रपति ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सराहना करते हुये कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरित सभी संस्थानों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रसारित होती है। लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने राष्ट्रगौरव के लिए त्याग और पराक्रम का जो आदर्श प्रस्तुत किया था, वह देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होने आशा जताई कि इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन पर आधारित उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आध्यात्मिकता तथा राष्ट्रप्रेम के आदर्शों को अपने आचरण में ढालेंगे। उन्होने कहा कि मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया बहुत प्रभावी सिद्ध हुई है। इस क्रिया की सहायता से असाध्य रोगों के सफल उपचार के उदाहरण देखने को मिलते हैं। आशा है कि नए पंचकर्म केंद्र से अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो पाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कक्षा सात की पढ़ाई पूरी करके मैं सत्र 1970-71 में आठवीं व उसके आगे की पढ़ाई करने के लिए अपने गांव से 300 किमी. दूर भुवनेश्वर गई। 55 वर्ष पहले वह दूरी भी बहुत अधिक थी, क्योंकि तब आवागमन के साधन बहुत सीमित हुआ करते थे। मुझसे पहले मेरे गांव की कोई बालिका बाहर पढ़ने नहीं गई थी। भुवनेश्वर में मुझे महिला छात्रावास में रहने की सुविधा मिली। अब तो बहुत बदलाव आ चुका है। हमारी बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं, लेकिन आज भी अनेक बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेटियों के लिए सुरक्षित आवास न होने से उनकी उच्च शिक्षा की यात्रा में अवरुद्ध होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत परोपकार व जनहितैषी लक्ष्यों के लिए कार्य करने में निजी उच्च शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विश्व को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना क्वाड एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है, जो मुख्य रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को कभी भी समान नहीं माना जाना चाहिए और भारत को आतंकवादी हमलों से अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों की मौजूदगी में जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत को उम्मीद है कि उसके क्वाड साझेदार आतंकवाद से निपटने के मामले में उसकी स्थिति को समझेंगे और उसकी सराहना करेंगे।

जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक से पहले मीडिया से यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, विश्व को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए। पीड़ितों और अपराधियों को कभी भी समान नहीं माना जाना चाहिए और भारत को आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

विदेश मंत्री ने कहा, और हम उस अधिकार का प्रयोग करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे क्वाड साझेदार इस बात को समझेंगे और इसकी सराहना करेंगे। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के लिए चयन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना क्वाड एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है, जो मुख्य रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

उम्मीद है कि क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक इस वर्ष के अंत में दिल्ली में होने वाले समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आधार तैयार करेगी।

जयशंकर ने कहा, यह आवश्यक है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को चयन की स्वतंत्रता मिले, जो विकास और सुरक्षा पर सही निर्णय लेने के लिए आवश्यक है।

वाल्मिकी अनुसूचित जाति विकास निगम में

अदालत ने कथित घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश दिया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित घोटाले की मंगलवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से व्यापक जांच का आदेश दिया। इससे पहले, इस मामले में सीबीआई की भूमिका सीमित अनियमितताओं की जांच तक ही सीमित थी। लेकिन, उच्च न्यायालय ने अब पूर्ण जांच का निर्देश दिया है तथा राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज और साक्ष्य केंद्रीय एजेंसी को सौंपने को कहा है। इस मामले में आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि के गबन के गंभीर आरोप शामिल हैं। जून में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेल्लारी के कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और कर्नाटक के तीन विधायकों के ठिकानों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कई छापे मारे थे। यह तलाशी 'वाल्मीकि निगम' द्वारा की गयी धनराशि की संदिग्ध हेराफेरी की एक बड़ी जांच का हिस्सा थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि निगम के खातों से बड़ी मात्रा में अवैध रूप से धनराशि निकाली गयी और उसे फर्जी खातों में जमा किया गया एवं फिर खोखा कंपनियों के माध्यम से उसका धनशोधन किया गया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि अंतरित धनराशि का एक हिस्सा 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्र में इस्तेमाल किया गया था।

केंद्र सरकार ने यात्री सेवाओं में निजी मोटरसाइकिल के इस्तेमाल को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने यात्री सेवाओं के लिए निजी (गैर-परिवहन) मोटरसाइकिल के इस्तेमाल को मंगलवार को मंजूरी दे दी और कहा कि यह राज्य सरकार की स्वीकृति पर निर्भर करेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने 'मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश 2025' में कहा कि इन नए दिशानिर्देशों में उपयोगकर्ता की सुरक्षा और चालक के कल्याण के मुद्दों पर ध्यान देते हुए एक हल्की-फुल्की नियामक प्रणाली निर्धारित करने का प्रयास किया गया है। दिशानिर्देश में कहा गया है, राज्य सरकार एग्रीगेटर्स के माध्यम से यात्री सेवाओं के लिए गैर-परिवहन मोटरसाइकिल के इस्तेमाल को मंजूरी दे सकती है, जिसके परिणामस्वरूप यातायात की भीड़ और वाहन प्रदूषण में कमी आएगी, साथ ही सस्ती यात्रा और आजीविका के अवसर बढ़ेंगे। इस कदम से रैपिडो और उबर जैसे बाइक टैक्सी ऑपरेटरों को राहत मिली है, जो लंबे समय से कानूनी अनिश्चितता के बीच काम कर रहे थे, खासकर कर्नाटक जैसे राज्यों में, जहां हाल ही में बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध के कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था। उबर और रैपिडो समेत प्रमुख कंपनियों ने इस कदम का स्वागत किया है।

फोन कॉल लीक मामला :

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनवात्रा को निलंबित किया

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने कंबोडिया के एक पूर्व नेता के साथ फोन पर हुई बातचीत के लीक होने के मामले में प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनवात्रा को जांच लंबित रहने तक पद से निलंबित कर दिया है। न्यायाधीशों ने नैतिकता के उल्लंघन के आरोप वाली याचिका पर सर्वसम्मति से विचार किया और पेटोंगटार्न को प्रधानमंत्री पद से निलंबित करने के पक्ष में दो के मुकाबले सात मतों से मतदान किया। अदालत ने पेटोंगटार्न को अपने बचाव में सबूत पेश करने के लिए 15 दिन का समय दिया। पेटोंगटार्न को कंबोडिया के साथ हालिया सीमा विवाद से निपटने के तरीके को लेकर बढ़ते असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। इसमें 28 मई को हुआ सशस्त्र टकराव शामिल है, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक मारा गया था। सीमा विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक पहल के दौरान कंबोडियाई सीनेट (संसद का उच्च सदन) के अध्यक्ष हुन सेन के साथ फोन पर हुई बातचीत के लीक होने के बाद पेटोंगटार्न को न सिर्फ लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उनके खिलाफ कई शिकायतें भी दर्ज कराई गई हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने दिया

शिवगंगा में हिरासत में हुई मौत मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मृतक के परिवार से बात की और उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक ईमानदार व पारदर्शी जांच का आश्वासन दिया।

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को शिवगंगा में हिरासत में हुई 29 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया। इस घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए अजित कुमार की तिरुप्पुवनम में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने एक बयान में कहा, यह अनुचित है और इसे माफ नहीं किया जा सकता। शुरुआत में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था, बाद में हत्या के आरोप में पांच को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक को अनिवार्य प्रतीक्षा में रखा गया है, जबकि एक डीएसपी को निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मृतक के परिवार से बात की और उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक ईमानदार व पारदर्शी जांच का आश्वासन दिया।

स्टालिन ने कहा, मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने मामले की सीबी-सीआईडी जांच की अनुमति दे दी है। हालांकि, पांच पुलिसकर्मियों पर आरोप लगे हैं, इसलिए जांच को लेकर कोई आशंका न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीबीआई को पूरा सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि पुलिसकर्मियों को मानवीय तरीके से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा, तिरुप्पुवनम में कुछ पुलिसकर्मियों की हरकतें अक्षम्य हैं। मैं चेतावनी देना चाहता हूं कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

नौसेना को मिला नया स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट उदयगिरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ पणजी/भाषा। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल) में निर्मित प्रोजेक्ट 17ए का दूसरा स्टेल्थ फ्रिगेट उदयगिरि मंगलवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। यह प्रोजेक्ट 17ए के तहत शिवालिक श्रेणी का दूसरा जहाज है।

इस श्रेणी के कुल सात स्टेल्थ युद्धक पोत (फ्रिगेट्स) बनाए जाने हैं और इन्हें अगले वर्ष के अंत तक नौसेना को सौंपा जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि उदयगिरि को तय तारीख से पहले 37 महीने के रिकॉर्ड समय में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। यह फ्रिगेट बहुत-से मिशनों के लिए कार्य करने में सक्षम है। इसमें रडार या अन्य टोही उपकरणों से बच कर कार्रवाई करने की विशेषताएं बढ़ाई गई हैं। ये जहाज अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से लैस हैं। इन जहाजों पर भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो की अपनी अभूतपूर्व डिजाइन क्षमताओं की छाप है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

'डिजिटल इंडिया' के बड़े-बड़े वादे अधूरे और दावे 'फर्जी' हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम को लेकर किए गए बड़े-बड़े दावों के बावजूद वादे अधूरे और दावे फर्जी हैं तथा इससे निजता को नुकसान पहुंचा है एवं पारदर्शिता भी कमजोर हुई है।

'डिजिटल इंडिया' भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एक जुलाई, 2015 को शुरू किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम है।

इसके 10 साल पूरा होने के मौके पर खरगे ने उन गांवों और स्कूलों का हवाला दिया, जहां अभी तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी नहीं पहुंची है। उन्होंने सरकार के स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनियों- एमटीएनएल और बीएसएनएल पर 'बढ़ते कर्ज' और साइबर अपराधों में वृद्धि का भी उल्लेख किया।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के 'डिजिटल इंडिया' के बड़े-बड़े वादे अधूरे रहे और दावे धरे के धरे रह गए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 26 जून, 2025 तक, 'भारतनेट' परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इनमें से 4.53 लाख गांवों (यानी 65 प्रतिशत) को अब भी कवर किया जाना बाकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''परियोजना की समय सीमा को 11 वर्षों में कम से कम आठ बार संशोधित किया गया है। फिलहाल केवल 0.73 प्रतिशत (766) ग्राम पंचायतों में वाई-फाई सेवाएं हैं। जहां निजी खिलाड़ी 5जी का विकल्प चुन रहे हैं, वहीं बीएसएनएल का एक लाख 4जी टावर लगाने का अपना लक्ष्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। एक तिहाई टावर लगाए जाने बाकी हैं।''

कोविड टीका भी दिल के दौरे का कारण हो सकता है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के हासन में दिल के दौरे से हुई मौतों के हालिया मामलों के मद्देनजर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि जल्दबाजी में कोविड टीके को मंजूरी और लोगों का टीकाकरण करना भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है। उन्होंने सभी लोगों से से आग्रह किया कि यदि उन्हें सीने में दर्द या सांस लेने में कठिनाई हो, तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच कराएं और इसे नजरअंदाज न करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अकेले हासन जिले में ही पिछले महीने दिल के दौरे से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है। इन मौतों के वास्तविक कारण का पता लगाने और समाधान खोजने के लिए जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च के निदेशक डॉ. रवींद्रनाथ के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है और उन्हें 10 दिनों के भीतर अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कोविड-19 टीके को जल्दबाजी में मंजूरी देना और लोगों का टीकाकरण करना भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है, क्योंकि हाल में दुनिया भर में कई अध्ययनों ने संकेत दिया है कि कोविड टीके दिल के दौरे की बढ़ती संख्या का कारण हो सकते है। इससे पहले कि भाजपा इस मामले को लेकर हमारी आलोचना करे, उन्हें अपनी अंतरात्मा से पूछना चाहिए।

लालकृष्ण आडवाणी को निशाना बनाकर पाइप बम लगाने के मामले में आतंकवादी 30 साल बाद गिरफ्तार

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मदुरै में 2011 में तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा के दौरान पाइप बम लगाने की कोशिश में शामिल आतंकवादी अबूबकर सिद्दीकी को 30 साल बाद आंध्र प्रदेश में उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि सिद्दिकी दक्षिण भारत में हुए कई बम विस्फोटों में शामिल था और उसे तमिलनाडु के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने अन्नामय्या जिले में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। पुलिस तीन दशकों से नागोर के सिद्दीकी की तलाश कर रही थी और उसे खोजने वाले के लिए पांच लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई थी। पुलिस ने यहां एक बयान में कहा कि 60 वर्षीय सिद्दीकी के साथ तिरुनेलवेली के एक अन्य भगोड़े मोहम्मद अली उर्फ यूनुस उर्फ मंसूर को भी गिरफ्तार किया गया है। बयान में कहा गया, ''वे कई बम विस्फोटों और सांप्रदायिक हत्याओं में शामिल थे।

कोयले की कमी अब बीते दिनों की बात : केंद्रीय मंत्री दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने मंगलवार को कहा कि सरकार कुशल तरीके से कोयला निकासी को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साह दे रही है और अब इस ईंधन की कमी अतीत की बात हो गई है।

दुबे ने बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, कोयले की कमी अतीत की बात हो गई है।''

बयान में कहा गया है कि मंत्री कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (एसईसीएल) के परिचालन क्षेत्रों के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय सुरक्षित और कुशल रूप से कोयला निकालने को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीकों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहन दे रहा है। उन्होंने अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने के लिए एसईसीएल की सराहना की।

मंत्री ने कहा, ''कंटिन्यूअस माइनर जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए हमारा लक्ष्य भूमिगत कोयला उत्पादन को बढ़ाना और 2030 तक भूमिगत खदानों से 10 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करना है।''

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया का कोयला उत्पादन जून में 8.5 प्रतिशत घटकर 5.78 करोड़ टन रहा। जबकि सरकार का आयात पर निर्भरता कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य है।

कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी द्वारा कोयला उत्पादन 6.31 करोड़ टन था।

चालू वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का कोयला उत्पादन घटकर 18.33 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में 18.93 टन था। हालांकि, कंपनी ने कोयला उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, जादूगर बी. वी. पट्टाभिराम का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। जानेमाने मनोवैज्ञानिक, व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक, जादूगर और लेखक बी. वी. पट्टाभिराम का दिल का दौरा पड़ने से यहां निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे।

पट्टाभिराम के मित्रों ने मंगलवार को बताया कि पट्टाभिराम का निधन 30 जून की रात में हुआ।

पंद्रह भाई-बहनों वाले परिवार से ताल्लुक रखने वाले पट्टाभिराम ने जादू के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में अपने जादू के शो के जरिये दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। वह एक व्यापक रूप से प्रशंसित व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक, परिवार और छात्रों के काउंसलर भी थे। उनके यूट्यूब चैनल के लाखों सब्सक्राइबर थे और कई युवा जोड़े उन्हें अपने विवाह को टूटने से बचाने का श्रेय देते हैं। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी थीं।

पट्टाभिराम की पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम, पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी प्रशंसा की थी। पट्टाभिराम के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा हैं। उनका अंतिम संस्कार दो जुलाई को हैदराबाद में किया जाएगा।

जीएसटी का जोर अब कारोबार सुगमता बढ़ाने, बेहतर अनुपालन पर

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि आठ साल पूरे कर चुके माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का जोर अब कारोबार को सुगम बनाने, मजबूत अनुपालन सुनिश्चित करने और व्यापक आर्थिक समावेश को बढ़ावा देने पर होगा। कुल 17 करों और 13 उपकरों को शामिल कर एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने अनुपालन को सरल और कर प्रणालियों को डिजिटल बनाकर एक निर्बाध राष्ट्रीय बाजार बनाने में मदद की है। साथ ही इसने करदाता आधार का भी विस्तार किया है और सहकारी संघवाद को मजबूत किया है। वित्त मंत्रालय ने 'जीएसटी के आठ साल पूरे होने पर रिपोर्ट कार्ड' जारी करते हुए कहा, ''माल एवं सेवा कर अपने नौवें साल में प्रवेश कर रहा है। यह कारोबार को सरल बनाने के साथ मजबूत अनुपालन और व्यापक आर्थिक समावेश को प्राथमिकता देते हुए विकसित हो रहा है। इससे भारत की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका मजबूत हो रही है।'' संचालन के पहले वर्ष (नौ महीने) में सकल जीएसटी संग्रह 7.40 लाख करोड़ रुपए था। पिछले कुछ वर्षों में इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है। यह वृद्धि अर्थव्यवस्था के संगठित होने और बेहतर कर अनुपालन को दर्शाती है।

उपचुनाव में विधायक चुने जाने पर 'आप' नेता संजीव अरोड़ा ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हाल में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद मंगलवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अरोड़ा ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा, जिन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

पहली बार सांसद बने अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे और उनका कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक था। लुधियाना के रहने वाले कारोबारी अरोड़ा ने उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु के खिलाफ 10,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की। अब 'आप' के लिए पंजाब में सत्तारूढ़ पार्टी से किसी और को राज्यसभा में नामित करने का रास्ता साफ हो गया है। 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस बात से इनकार किया है कि वह संसद के उच्च सदन की सदस्यता हासिल करने की दौड़ में शामिल हैं। केजरीवाल के राज्यसभा में जाने को लेकर पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं।

सरकार ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को दी मंजूरी

1.07 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 1.07 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इसका मकसद सेवानिवृत्ति निधि निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अगले दो वर्ष में 3.5 करोड़ नौकरियों का सृजन करना है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसका मकसद सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इसमें विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य दो साल में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहन देना है। इसके अलावा यह योजना पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन देगी। इस योजना के तहत पहली बार नौकरी पर रखे गए कर्मचारियों को एक महीने का वेतन (15,000 रुपए तक) मिलेगा। वहीं नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए दो साल की अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र के लिए लाभ को और दो साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा। ईएलआई योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल एवं अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं के पैकेज के हिस्से के रूप में की गई थी। इसका कुल बजट परिव्यय दो लाख करोड़ रुपए था।

वैष्णव ने रेलवन एप्लीकेशन की शुरुआत की

यात्रियों को सभी जरूरतों का एकजगह मिलेगा समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेलवन मोबाइल ऐप्लीकेशन की शुरुआत की जिससे यात्रियों को टिकट बुकिंग, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ, यात्रा योजना बनाने, रेल सहायता सेवाएं और भोजन बुकिंग जैसी कई सेवाओं तक आसान पहुंच में मदद मिलेगी। वैष्णव ने रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) के 40वें स्थापना दिवस समारोह में इस ऐप की शुरुआत की। यह ऐप एंड्रॉइड प्ले स्टोर और आईओएस ऐप स्टोर, दोनों प्लेटफार्म पर उपलब्ध है।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''रेलवन ऐप पर यात्रियों की सभी जरूरतों का समाधान उपलब्ध होगा। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक आसान पहुंच मिलेगी: टिकटिंग - आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफॉर्म टिकट; ट्रेन और पीएनआर पूछताछ; यात्रा योजना; रेल सहायता सेवाएं; ट्रेन में भोजन की बुकिंग।'' इसमें कहा गया है, ''इसके अतिरिक्त, माल ढुलाई से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।'' ऐप के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने कहा कि यह उपयोगकर्ताओं को सरल और स्पष्ट यूजर इंटरफेस के माध्यम से बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।

मंत्रालय ने कहा, ''इसमें न केवल सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत कनेक्टिविटी भी है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेलवे सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। इस ऐप की एक खास विशेषता सिंगल साइन-ऑन है, जिससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं रहती। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, रेलवन ऐप डाउनलोड करने के बाद, कोई भी व्यक्ति रेलकनेक्ट या यूटीएसऑनमोबाइल ऐप की मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी का उपयोग करके लॉग इन कर सकता है। इससे उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की आवश्यकता नहीं रहती, जिससे डिवाइस स्टोरेज की बचत होती है। इसमें कहा गया है, आर-वॉलेट (रेलवे ई-वॉलेट) सुविधा भी इस ऐप में जोड़ी गई है। संख्यात्मक एमपिन और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं।

इसमें कहा गया है कि नये उपयोगकर्ताओं के लिए न्यूनतम जानकारी प्रदान करके पंजीकरण करने का प्रावधान है, जिससे पंजीकरण प्रक्रिया आसान और तेज हो जाती है। इसमें कहा गया है कि जो उपयोगकर्ता केवल पूछताछ करना चाहते हैं, वे अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी के साथ अतिथि लॉगिन के माध्यम से भी लॉग इन कर सकते हैं।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जून में 14 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जून में बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गई। इससे उत्पादन और नए ऑर्डर में तेजी के साथ रोजगार में रिकॉर्ड वृद्धि का संकेत मिलता है। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक मई में 57.6 था। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को बताता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत का विनिर्माण पीएमआई जून में 14 महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गया। मजबूत मांग ने उत्पादन, नए ऑर्डरों और रोजगार सृजन में विस्तार को बढ़ावा दिया।'' जून में नए ऑर्डर में भी तेजी देखी गई। विस्तार की दर करीब एक साल में सबसे मजबूत थी।

ईडी ने घर खरीदारों के साथ 'धोखाधड़ी' में 'रहेजा डेवलपर्स लि.' के परिसरों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में रियल एस्टेट कंपनी 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड' और उसके निदेशकों के खिलाफ छापेमारी में संपत्तियों का ब्योरा मिला है और 'अभियोजनयोग्य' दस्तावेज जब्त किये गये हैं। यह छापेमारी दिल्ली-एनसीआर तथा पंजाब के मोहाली में 27 जून को की गयी थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसका यह धनशोधन मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड', इसके प्रबंध निदेशक नवीन रहेजा और अन्य के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी के अनुसार, प्राथमिकियों में आरोप लगाया गया है कि 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड' ने विभिन्न समूह आवास परियोजनाओं में आवासीय फ्लैट देने का वादा करके निवेशकों और घर खरीदारों से धोखाधड़ी से 'काफी' रकम जुटा ली, वह लेकिन वादा किए गए फ्लैट सौंपने में विफल रहा।

राणे ने राज ठाकरे से नजदीकी बढ़ाने को लेकर उद्धव पर निशाना साधा

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नारायण राणे ने मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन पर अपने चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे को परेशान करने का आरोप लगाया। राणे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे में खोई जमीन वापस पाने की ताकत या क्षमता नहीं है और अविभाजित शिवसेना के पतन के लिए अकेले वह ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त में की है जब राजनीतिक रूप से अलग हो चुके ठाकरे बंधुओं ने करीब दो दशक बाद पांच जुलाई को एक मंच साझा करने का फैसला किया है। राणे ने पोस्ट में लिखा, ''उद्धव ठाकरे भाईचारे का हवाला देकर राज ठाकरे के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन क्या वह भूल गए हैं कि उन्होंने राज को परेशान किया था। उन्हें बहुत परेशान किया था और उन्हें पार्टी (अविभाजित शिवसेना) छोड़ने के लिए मजबूर किया था? क्या उन्हें पता नहीं है कि उन्होंने क्या किया? अब वह राज की चापलूसी क्यों कर रहे हैं?''

जगन ने युवाओं से आंध्र सरकार की 'विफलताओं' को उजागर करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को पार्टी के युवाओं से तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत सरकार के कथित 'जनविरोधी एजेंडे' का सक्रिय रूप से सामना करने का आह्वान किया।

ताडेपल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में वाईएसआरसीपी युवा शाखा की बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने सदस्यों से लोगों से जुड़ने, जनता की चिंताओं को उजागर करने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की कथित 'विफलताओं और अत्याचारों' का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यह आपके नेतृत्व का करने का समय है - लोगों के पास जाएं, पार्टी (वाईएसआरसीपी) में प्रभावशाली लोगों को लाएं और सरकार के कथित गलत कामों को ऑनलाइन और जमीनी स्तर पर उजागर करें। वाईएसआरसीपी के बनने को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने सिर्फ दो विधायकों के साथ शुरुआत की थी और राजनीतिक अलगाव के बावजूद बाधाओं को पार करते हुए 2010 के बाद के उपचुनावों में भारी समर्थन हासिल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 के चुनावों के बाद तेदेपा ने वाईएसआरसीपी के 67 में से 23 विधायकों को अपने पाले में कर लिया था और कहा कि पार्टी ने दबाव का सामना किया और पूरे समय लोगों के साथ मजबूती से खड़ी रही। वाईएसआरसीपी संस्थापक ने घोषणा की कि युवा शाखा के लिए क्षेत्रवार कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे, जिनमें भविष्य में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले होनहार नेता शामिल होंगे।

ट्रेडमार्क उल्लंघन के लिए अमेजन को 340 करोड़ रु. का भुगतान करने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत अमेजन टेक्नोलॉजीज इंक को लक्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड बेवर्ली हिल्स पोलो क्लब के ट्रेडमार्क उल्लंघन के लिए क्षतिपूर्ति और लागत के रूप में लगभग 340 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की पीठ ने यह फैसला एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनाया, जिसमें अमेजन टेक्नोलॉजीज को लाइफस्टाइल इक्विटीज को इस आधार पर 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हर्जाना देने का निर्देश दिया गया था।

आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए विशेष प्रकोष्ठ : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों की चिंताओं को दूर करने और अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए उपराज्यपाल सचिवालय में एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा और टोल फ्री नंबर की भी सुविधा मिलेगी।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के परिजनों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उन्होंने उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को उन मामलों को फिर से खोलने का निर्देश दिया, जिन्हें जानबूझकर दबा दिया गया था।

यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सिन्हा ने आतंकवादी हमलों में मारे गए कुछ कश्मीरी नागरिकों के परिजनों से कुछ दिन पहले मुलाकात की थी और कहा था कि 2019 से पहले दशकों तक आतंकवाद के पीड़ितों को न्याय से वंचित रखा गया।

सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''परिजनों की चिंताओं को दूर करने के लिए उपराज्यपाल सचिवालय में विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा। मुख्य सचिव कार्यालय में भी इसी तरह का प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा। आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी और कई दशकों से खुलेआम घूम रहे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।''

सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए एक 'टोल-फ्री नंबर' भी अधिसूचित किया जाएगा।

सिन्हा ने कहा, ''विभिन्न इलाकों के उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे जानबूझकर दबा दिए गए मामलों को फिर से खोलें और प्राथमिकी दर्ज करें तथा यह सुनिश्चित करें कि प्राथमिकता के आधार पर पीड़ितों के करीबी रिश्तेदारों को नौकरी दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों या उनके समर्थकों द्वारा पीड़ितों के परिजनों की हड़पी गई संपत्ति को भी मुक्त करवाना है, इस संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह उन तत्वों की पहचान करें जो आम कश्मीरियों की हत्या में शामिल थे और वर्तमान में सरकारी विभागों में काम कर रहे हैं।''

दो दशक बाद मंच साझा करेंगे चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। त्रिभाषा नीति से संबंधित विवादित सरकारी प्रस्ताव वापस लिए जाने के उपलक्ष्य में शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की पांच जुलाई को होने वाली संयुक्त विजय रैली में 20 साल में पहली बार उद्धव और राज ठाकरे मंच साझा करते दिखाई देंगे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे ने मंगलवार को वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित होने वाले मराठी विजय दिवस समारोह के लिए संयुक्त सार्वजनिक निमंत्रण जारी किया।

'मराठीचा आवाज' शीर्षक वाला संयुक्त निमंत्रण इस आयोजन की पहली आधिकारिक घोषणा है। निमंत्रण में पार्टी का कोई चिन्ह या झंडा नहीं है, बस महाराष्ट्र की एक ग्राफिक तस्वीर दिखाई गई है। इसमें मेजबान के रूप में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नाम का उल्लेख है। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने पुष्टि की कि उद्धव और राज ठाकरे रैली में शामिल होंगे। आने वाले महीनों में चर्चित मुंबई नगर निकाय और अन्य नगर निगमों के चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में मराठी पहचान के संवेदनशील मुद्दे पर दोनों भाइयों के बीच संभावित सुलह पर राज्य के राजनीतिक हलकों में उत्सुकता से नजर रखी जा रही है। महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा एक से हिंदी भाषा की पढ़ाई शुरू करने को लेकर विरोध के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित दो जीआर (सरकारी प्रस्ताव) वापस लेने की घोषणा की। मनसे और शिवसेना (उबाठा) ने त्रिभाषा नीति के माध्यम से हिंदी भाषा को थोपे जाने के खिलाफ विरोध मार्च का आह्वान किया था।

राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव वापस लिए जाने के तुरंत बाद, दोनों दलों ने मराठी लोगों की जीत का हवाला देते हुए, संयुक्त मार्च रद्द कर दिया।

कई पार्टियां द्रमुक गठबंधन में शामिल हो सकती हैं : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को दावा किया कि राजनीतिक दलों के द्रमुक गठबंधन में शामिल होने की संभावना है और अवसर आने पर उन्हें समायोजित किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि द्रमुक ने अगले विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है तथा लोगों से मिलने और उन्हें सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताने के लिए पार्टी मशीनरी को तैयार किया जा रहा है। सत्तारूढ़ द्रमुक के चुनाव अभियान ओरानियिल तमिलनाडु की शुरुआत करने के बाद स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा, द्रमुक लंबे समय से चुनाव की तैयारी कर रही है... हम 200 सीट जीतने के अपने लक्ष्य को भी पार कर सकते हैं। तमिलनाडु में विधानसभा में 234 सीट हैं।

उन्होंने कहा, इस पहल में हमारा चुनाव अभियान, सदस्यता पंजीकरण और तमिलनाडु के साथ केंद्र सरकार द्वारा किए गए 'अन्याय' के बारे में लोगों को जानकारी देना शामिल है। हम द्रमुक सरकार की उपलब्धियों को भी रेखांकित करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या राजनीतिक दलों के द्रमुक गठबंधन में शामिल होने की संभावना है, उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए संभावना है। लेकिन जब अवसर आएगा तो हम उन्हें शामिल करने पर चर्चा करेंगे। ओरानियिल तमिलनाडु अभियान 45 दिनों तक चलेगा और तीन जुलाई से घर - घर अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी पदाधिकारी, राज्य के मंत्री और चुनाव प्रभारी लोगों के घर-घर जाकर उनसे मिलेंगे और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तमिलनाडु विरोधी रुख के बारे में बताएंगे।

स्टालिन ने कहा, यह तमिलनाडु के सभी लोगों को तमिलनाडु के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ एकजुट करने और उनके खिलाफ लड़ने का एक प्रयास है। उदाहरण के लिए, केंद्र हमारे खिलाफ राजनीतिक, सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो सभी पहलुओं में विकसित हो रहा था, उसे केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न तरीकों से नजरअंदाज किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा, ये सब महज राजनीतिक बयानबाजी नहीं है, बल्कि तमिलनाडु के अधिकारों से जुड़ा है। राजनीतिक दलों और तमिलनाडु के लोगों को इसका विरोध करना चाहिए। इसलिए हम लोगों से मिलने जा रहे हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पूर्व मुख्यमंत्री और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के घर जाएंगे, स्टालिन ने जवाब दिया, 'यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। हमने पार्टी में सभी को (लोगों से मिलने का) काम सौंपा है और वे स्थिति के अनुसार जाएंगे। अगर मैं उस क्षेत्र में होता तो मैं जरूर जाता।'

शिवकाशी में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट की घटना में आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर। तमिलनाडु के शिवकाशी स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में मंगलवार सुबह हुए धमाके में दो महिलाओं सहित कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा की है। पुलिस ने बताया कि धमाके के बाद फैक्टरी में भीषण आग लग गई और कई लोग घायल हो गए। पटाखों के फटने से उठता धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था।

पुलिस तथा अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। यह घटना शिवकाशी के पास स्थित चिन्नाकामनपट्टी गांव में एक निजी पटाखा निर्माण इकाई में सुबह साढ़े आठ बजे हुई। राजस्व अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं।

मृतकों की पहचान आर. महालिंगम, सी. चेल्लापांडियन, के. लक्ष्मी, आर. राममूर्ति, आर. पुन्यमूर्ति, के. रामजयं, एम. नागापंडी और जी. वैरामणि के रूप में हुई है। पांच घायलों का इलाज शिवकाशी और मदुरै के सरकारी अस्पतालों में हो रहा है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, स्टालिन ने कहा कि गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये तथा मामूली रूप से घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। यह जानकारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई।

तमिलनाडु में विपक्ष ने सुरक्षाकर्मी की हिरासत में मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी दलों ने शिवगंगा जिले में स्थित एक मंदिर के सुरक्षा गार्ड की हिरासत में मौत को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर दबाव बढ़ाते हुए मामले की सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की। वहीं, राज्य सरकार ने इस मामले में जिला पुलिस प्रमुख सहित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मदुरै स्थित मद्रास उच्च न्यायालय की पीठ के समक्ष भी यह मामला उठाया गया। पीड़ित के वकील ने संवाददाताओं को बताया कि अदालत के समक्ष एक वीडियो प्रस्तुत किया गया है जिसमें कथित तौर पर सादे कपड़े पहने हुए पुलिसकर्मी पीड़ित अजित कुमार पर हमला करते हुए नजर आ रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि इस घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि मामले में कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी गई है। राज्य के मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने हिरासत में हुई मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करते हुए कहा कि लोगों का राज्य की पुलिस से भरोसा उठ गया है। अन्नाद्रमुक प्रमुख एवं विपक्ष के नेता ए. के. पलानीस्वामी ने घटना को लेकर स्टालिन की निंदा की और कहा कि ''जनता और हमें'' इस मामले में मुख्यमंत्री के ''नाटक'' पर विश्वास नहीं है। खबरों का हवाला देते हुए पलानीस्वामी ने दावा किया कि सुरक्षा गार्ड अजित कुमार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके शरीर पर चोटों का खुलासा हुआ है। उन्होंने इसे पुलिसिया अत्याचार के कारण हुई ''हत्या'' करार दिया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'कुछ समाचार संस्थाएं आपके नाटक पर यकीन कर सकते हैं जैसे कि समीक्षा बैठक आयोजित करना या यह मामला सीबीआई-सीआईडी को सौंपना। चाहे लोग हों या हम, इस नाटक पर यकीन नहीं कर सकते हैं।' पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले शासन में लोग सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''लोगों को पुलिस की फर्जी प्राथमिकी में कोई भरोसा नहीं है। इसलिए यह मामला सीबीआई को भेजा जाना चाहिए।''

पलानीस्वामी ने घटना के लिए मुख्यमंत्री को भी ''जिम्मेदार'' ठहराया और जवाब मांगा। अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं ने राज्य के विभिन्न शहरों में प्रदर्शन किया और पीड़ित के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने तख्तियां पकड़ी हुई थीं जिन पर लिखा था ''अजित कुमार के लिए न्याय।'' अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता विजय ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल के गठन की मांग की। 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अजित कुमार की मौत को लेकर लोगों के मन में कई सवाल हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को पत्र लिखकर अजित कुमार की हिरासत में मौत होने के मामले और तमिलनाडु में इसी तरह की घटनाओं की जांच की मांग की। इस बीच यहां एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि सुरक्षा गार्ड की मौत के संबंध में कार्रवाई की गई है। उन्होंने घटना के संबंध में शिवगंगा के जिला पुलिस प्रमुख को सरकार द्वारा ''अनिवार्य प्रतीक्षा'' में रखे जाने का जिक्र करते हुए कहा, कार्रवाई की गई है, गिरफ्तारियां की गई हैं... उच्च अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।''

तमिलनाडु सरकार ने इस मामले में शिवगंगा के जिला पुलिस प्रमुख को मंगलवार को ''अनिवार्य प्रतीक्षा'' पर रखा है, जबकि घटना के संबंध में पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। गृह विभाग के एक पत्र में कहा गया है कि आशीष रावत, आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा), पुलिस अधीक्षक, शिवगंगा को पुलिस महानिदेशक/एचओपीएफ (पुलिस बल प्रमुख), तमिलनाडु, चेन्नई के कार्यालय में अनिवार्य प्रतीक्षा पर रखा गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जी. चंदीश, आईपीएस, एसपी रामानाथपुरम अब शिवगंगा का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। शिवगंगा के तिरुप्पुवनम के सुरक्षा गार्ड अजित कुमार को स्थानीय पुलिस ने पहले चोरी के एक मामले में पकड़ा था। बाद में हिरासत में उसकी मौत से आक्रोश पैदा हो गया और राजनीतिक दलों ने मुद्दे पर सरकार की आलोचना की थी।

टीवीएस मोटर की कुल बिक्री जून में 20 प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी की जून में कुल बिक्री सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 4,02,001 इकाई हो गई। कंपनी ने जून, 2024 में 3,33,646 इकाइयों की बिक्री की थी। टीवीएस मोटर कंपनी ने बयान में कहा कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 20% की वृद्धि दर्ज की गई, जो जून, 2024 के 3,22,168 इकाई से बढ़कर जून, 2025 में 3,85,698 इकाई हो गई। घरेलू दोपहिया वाहन खंड में 10% की वृद्धि दर्ज की गई और इसकी बिक्री पिछले साल जून के 2,55,734 इकाई से बढ़कर इस साल जून में 2,81,012 इकाई हो गई। जून में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर पर 42% बढ़कर 16,303 इकाई हो गई। कंपनी का कुल निर्यात जून में 54% बढ़कर 1,17,145 इकाई हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 76,074 इकाई था। इस बीच, मोटरसाइकिल विनिर्माता रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बताया कि जून में उसकी कुल बिक्री 22% बढ़कर 89,540 इकाई हो गइ। रॉयल एनफील्ड ने बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बिक्री 16% बढ़कर 76,957 इकाई रही।

सुंदरम फाइनेंस ने जमा पर ब्याज दरों में संशोधन किया

चेन्नई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड ने जमा पर ब्याज दरों में संशोधन किया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 12 महीने की जमा पर संशोधित ब्याज दर 7.2 प्रतिशत होगी। 24 और 36 महीने के लिए यह 7.5 प्रतिशत है।

शहर स्थित कंपनी ने बयान कहा कि अन्य लोगों के लिए, 12 महीने की अवधि वाली जमा के लिए ब्याज दरों को संशोधित कर 6.70 प्रतिशत और 24 और 36 महीने के लिए सात प्रतिशत कर दिया है। ब्याज दरों में संशोधन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून में रेपो दरों में कटौती के निर्णय के बाद किया गया है। कंपनी ने कहा कि समायोजन व्यापक आर्थिक स्थितियों और बाजार की गतिशीलता के प्रति सुंदरम फाइनेंस की नपी-तुली प्रतिक्रिया को दर्शाता है। यह मौजूदा आर्थिक रुझानों के साथ तालमेल बिठाने की कंपनी की वित्तीय रणनीति का हिस्सा है।

तमिलनाडु में हिरासत में मौत

जिला एसपी को 'अनिवार्य प्रतीक्षा' पर रखा गया, पांच पुलिसकर्मी गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने एक व्यक्ति की हिरासत में हुई मौत के मामले में शिवगंगा के जिला पुलिस प्रमुख को मंगलवार को अनिवार्य प्रतीक्षा'' पर रखा है, जबकि घटना के संबंध में पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। गृह विभाग के एक पत्र में कहा गया है कि आशीष रावत, आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा), पुलिस अधीक्षक, शिवगंगा को पुलिस महानिदेशक/एचओपीएफ (पुलिस बल प्रमुख), तमिलनाडु, चेन्नई के कार्यालय में अनिवार्य प्रतीक्षा पर रखा गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जी. चंदीश, आईपीएस, एसपी रामानाथपुरम अब शिवगंगा का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। शिवगंगा के तिरुप्पुवनम के सुरक्षा गार्ड अजीतकुमार को स्थानीय पुलिस ने पहले चोरी के एक मामले में पकड़ा था। बाद में हिरासत में उसकी मौत से काफी आक्रोश पैदा हो गया और राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की थी। घटना के संबंध में पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार देर रात जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि 28 जून को छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस मामले की उचित जांच शुरू की गई और सोमवार रात को पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद बिना कोई देरी किए'' आगे की कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद, मामले में हत्या के आरोप दर्ज किए गए और इसमें शामिल पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। मामले में न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, इस ''दुर्भाग्यपूर्ण घटना'' के संबंध में राज्य पुलिस ने ''न्यायसंगत, पारदर्शी और निष्पक्ष'' तरीके से काम किया है।

केरल में कांग्रेस ने चिकित्सा महाविद्यालयों के सामने किया प्रदर्शन

तिरुवंनतपुरम/भाषा। विपक्षी कांग्रेस ने केरल वामपंथी सरकार पर स्वास्थ्य क्षेत्र को नष्ट करने तथा सरकारी अस्पतालों में सर्जिकल उपकरणों की कमी का आरोप लगाते हुए आज पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न जिलों में चिकित्सा महाविद्यालयों के सामने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और वहां कथित कमियों को उजागर किया। विरोध प्रदर्शन और मार्च का आयोजन संबंधित जिला कांग्रेस समितियों के तत्वावधान में किया गया। उत्तरी कन्नूर जिले में परियाराम चिकित्सा महाविद्यालय के सामने राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन की शुरुआत करने के बाद पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि राज्य का स्वास्थ्य क्षेत्र जीवन रक्षक प्रणाली पर है और सरकारी अस्पताल आम लोगों के लिए मुश्किलों का स्थान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मौजूदा हड़ताल भविष्य में होने वाले आंदोलनों का संकेत है, जिनमें आम लोगों के विभिन्न मुद्दे उठाए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में मुद्दों को महत्वहीन बनाने और इसे तंत्र की विफलता का हिस्सा बताने के बजाय इसे हल करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

कन्नूर में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले प्रदेश कांग्रेस प्रमुख सनी जोसेफ ने कहा कि राज्य में सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा महाविद्यालयों की समस्याओं के कारण गरीब लोग भी निजी अस्पतालों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए, एर्नाकुलम में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने भी आरोप लगाया कि केरल के चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल आवश्यक दवाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में न केवल गरीब लोग बल्कि मध्यम वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग के लोग भी काफी हद तक सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा महाविद्यालयों पर निर्भर हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अदूर प्रकाश, तिरुवंचूर राधाकृष्णन, पी सी विष्णुनाथ और कोडिक्कुन्निल सुरेश समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

एक दिन पहले कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने स्वास्थ्य क्षेत्र के समक्ष मौजूद मुद्दों के अध्ययन के लिए पांच सदस्यीय आयोग बनाया था। शनिवार को तिरुवनंतपुरम चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के मूत्रविज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. हैरिस चिराक्कल ने फेसबुक पोस्ट पर लिखा था कि सरकारी अस्पताल में विभागाध्यक्ष की सबसे बड़ी लाचारी आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की कमी है। उसके बाद विवाद खड़ा हो गया था।

हिरासत में मारे गए युवक के परिवार से स्टालिन ने कहा, 'मुझे खेद है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि शिवगंगा में 29 वर्षीय युवक की हिरासत में मौत 'अन्यायपूर्ण' थी और किसी के साथ भी ऐसा नहीं होना चाहिए। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी रहेगी। मृतक अजित कुमार की मां के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने उनसे मजबूत बने रहने को कहा।

उन्होंने कुमार की मां से कहा, ''मुझे बहुत खेद है, मैंने कार्रवाई करने को कहा है, गंभीर कार्रवाई करने को। मजबूत बने रहें।'' स्टालिन ने 'एक्स' पर कुमार के परिवार के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत का वीडियो भी साझा किया। कुमार के भाई से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि मामले में तुरंत कार्रवाई की गई (पांच पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी, एक डीएसपी (पुलिस उपायुक्त) का निलंबन और एसपी (पुलिस अधीक्षक) को अनिवार्य प्रतीक्षा पर रखा गया है)। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम उचित सजा सुनिश्चित करेंगे।

स्टालिन ने एक अन्य संदेश में कहा, ''तिरुप्पुवनम (शिवगंगा) के युवक के साथ जो क्रूरता हुई, वह किसी के साथ नहीं होनी चाहिए; यह एक ऐसी गलती है, जिसे किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह सरकार उन लोगों (पुलिसकर्मियों) को सजा सुनिश्चित करेगी, जो अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहे हैं और पीड़ित के परिवार के साथ खड़ी रहेगी।'' स्टालिन ने अपने कैबिनेट सहयोगी केआर पेरियाकरुप्पन के माध्यम से कुमार के परिवार से बात की।

श्रीलंका की नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कहा कि उसने देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी नौका को जब्त कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर मछुआरों को गिरफ्तार करने की यह दूसरी घटना है। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि ये गिरफ्तारियां सोमवार रात को तलाईमन्नार क्षेत्र के जलक्षेत्र में की गईं। नौसेना ने बताया कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौका को मन्नार में मत्स्य निरीक्षणालय को सौंप दिया जाएगा। नौसेना ने रविवार को आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। भारत और श्रीलंका दोनों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है, जिसमें श्रीलंका की नौसेना के कर्मियों ने तो पाक जलडमरूमध्य में देश के जल क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी तक की और उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया था। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाला संकरा जलक्षेत्र है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने के लिहाज से एक समृद्ध क्षेत्र है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना सं. 2025235211762R दिनांक: 26.06.2025

निम्नलिखित ई-निविदाएँ **आई.आर.ई.पी.एस.** वेबसाइट में प्रकाशित हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** में लागइन करें और निविदा के आगे कोट करें। इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्रमसं	खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (रुपए में)	निविदा जमा करने की अंतिम तारीख / निविदा खोलने की तारीख व सयम
1.	2025235211762R	एल्यूमिनियम कॉनड्यटों की तैयारी	14,34,723/-	18.07.2025 15.00 बजे

उप मुख्य बिजली इंजीनियर / फर - II

दक्षिण रेलवे

चेन्नई डिवीजन (वर्क्स ब्रांच)

ई-निविदा सूचना सं.28/2025 दिनांक : 27.06.2025

क्र.	आइटम क्रमांक	विवरण
1	MAS280F25130W	**1.** AJJ-JTJ section-CTR(S)-36.495 km with 60kg (Cl.II) / PSC (Cl.II) on various loop lines in AEN / JTJ & ADEN/KPD sub divisions. **2.** CGL-AJJ section-CTR(S)-6.797 km with 60kg (Cl.II) / PSC (Cl.II) on various loop lines in AEN / AJJ sub division. **3.** AJJ-RU section-TSR(S)-12.015km with 60kg PSC (CL.II) on various loop lines in AEN / AJJ sub division. **4.** AJJ-JTJ section-TRR(S)-0.908 km with 60kg (CL.II) on VLT DN loop line in AEN / JTJ sub division.
2	MAS280F25131W	Strengthening of Bridge no. 299 DN at km 114/400-115/100 by jacketing in AJJ-JTJ section. (Balance Work)
3	MAS280F25132W	Dismantling and sale of condemned buildings in Sr DEN / West / MAS jurisdiction (The highest bidder has to pay the amount to Railways) - Part-I.
4	MAS280F25133E	MAS-GDR section- TSR(P)-0.9 km between 7/600 - 8 / 500 by TRT Machine / Manual Method & TRR(P) - 11.85 km with 60 kg rails / LWR from km.2 / 950-2A / 000 & 3 / 000-13 / 800 on Up line and from km 2A / 000-3 / 000 on UP line extra km.
5	MAS280F25134E	Improvements and Strengthening work in ROB-41C at Km:11 / 2-4 near Wimco nagar
6	MAS280F25135S	Reconditioning of CMS Crossing IN SITU by using RW-20 Translamatic Robotic Welding technology in SSE / P.Way / TBM section in ADEN / TBM sub-division.
7	MAS280F25136S	ADEN / TBM-Repairs and maintenance in SSE / W / TBM Section. **i)** Hydrant Pipelines in pit lines, Service buildings & pathway of coaching yard. **ii)** Pipeline connecting Quick watering system in platforms. **iii)** Repairs and maintenance of water pipelines in service building & Roads in car shed. **iv)** Repairs and maintenance of platform surface, shelter, water pipelines, station buildings and service buildings. **v)** Repair & maintenance of Staff Quarters, buildings, Roads & Pipelines. **vi)** Maintenance of FOB in TBM & TBMS. **vii)**. Maintenance of sub-ways
8	MAS280F25137S	RS / TBM Provision of Gear case cleaning room at EMU workshop, Tambaram.

निविदा खुलने की तिथि और समय : 21.07.2025 को 11.30 बजे
पूर्ण विवरण और निविदा दस्तावेज यहां उपलब्ध होंगे http://www.ireps.gov.in

मंडल रेलवे प्रबंधक/निर्माण/चेन्नई-03

राजस्थान में मूसलधार बारिश से कई जिले जलमग्न, जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर/अलवर। राजस्थान में मानसून ने इस बार जोरदार दस्तक दी है, जिससे जहां एक ओर किसानों को राहत मिली है, वहीं शहरी इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। धौलपुर, अलवर और कोटपुतली-बहरोड़ में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई जगहों पर घरों, दुकानों और सरकारी भवनों में पानी घुस गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। धौलपुर में हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। जगन टॉकीज, हरदेव नगर, कोर्ट परिषद और बाड़ी रोड जैसे प्रमुख क्षेत्र पानी में डूब गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन स्थायी समाधान नहीं कर रहा। दुकानों में पानी घुसने से कारोबार ठप हो गया और स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर ऑफिस जाने वालों तक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से पानी सीधे घरों और दुकानों में घुस गया।

अलवर में सुबह 6:30 बजे शुरू हुई मूसलधार बारिश ने 9 बजे तक शहर में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। होप सर्कस, घंटाघर, सराफा बाजार, अशोक टॉकीज, बस स्टैंड और एसएमडी चौराहे समेत शहर के अधिकांश हिस्से जलमग्न हो गए। दुकानों और घरों में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ।

चूड़ी मार्केट और अन्य बाजारों में व्यापार पूरी तरह ठप हो गया। कच्ची बस्तियों में झोंपड़ियों की छतें टपकने लगीं और घरों में रखा सामान भीग गया। एसएमडी चौराहे पर नाले के ऊपर लगे जाल में कचरा फंसने से पानी का बहाव रुक गया, जिससे आसपास के घरों में पानी भर गया। इसी तरह कोटपुतली-बहरोड़ क्षेत्र में मंगलवार सुबह से बारिश का दौर जारी है।

तेज बारिश के बीच आसमान में घने बादल छाए रहे। किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है क्योंकि इससे खेतों को अच्छी नमी मिलेगी और फसलों को फायदा होगा। हालांकि लगातार बारिश से कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी है, जिससे स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

झुंझुनू में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कमरे की छत गिरी

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के कमरे की छत का एक हिस्सा सोमवार को गिर गया। इस हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले के खेतड़ी उपखंड के जसरापुर गांव में हुई। इस घटना के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों को जीर्ण-शीर्ण इमारत के बाहर काम करना पड़ रहा है, जहां वे खुले में मरीजों को देख रहे हैं। इस घटना से पीएचसी के कर्मचारियों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

उन्होंने कहा कि पीएचसी की इमारत लंबे समय से दयनीय स्थिति में है फिर भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण वहीं से स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। पीएचसी की प्रभारी डॉ. अनीता ने कहा, एक कमरे की छत गिरी और तेज धमाके जैसी आवाज हुई। हादसे के समय कमरे के अंदर कोई नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

उन्होंने कहा कि इमारत की हालत के बारे में उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। पीएचसी के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने कहा कि इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और कभी भी पूरी तरह से ढह सकती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए या भवन की तत्काल मरम्मत की जाए।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा को देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने मंगलवार को यहां राजस्थान विधानसभा का अवलोकन किया। राजस्थान विधानसभा की सहचर समिति के अधिकारियों के साथ शिष्टाचार बैठक में दोनों राज्यों की विधायी कार्यप्रणालियों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के साहित्यों का आदान-प्रदान किया गया। बैठक के दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में किये जा रहे नवाचार योजनाओं, प्रशासनिक संरचना, डिजिटलाइजेशन, संसदीय प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

विधायकों एवं अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए अपनाई गई कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के सदस्य डी जी शांतनगौड़ा, एम. के. कृष्णप्पा, टी.एस.श्रीवत्सव, ए. किरणकुमार कोडगी, सी. के. राममूर्ति, विठ्ठल सोमन्ना हलगेकर का राजस्थान विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के उप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा ने स्वागत किया। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान समिति के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान विधानसभा द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्पद है।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया जहां उन्हें राजस्थान की समृद्ध संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक विकास यात्रा एवं विधानसभा की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

समिति ने म्यूजियम में प्रदर्शित दृश्य-श्रव्य सामग्रियों में विशेष रुचि दिखाई। समिति ने राजस्थान विधानसभा के मुख्य सदन कक्ष का भी अवलोकन किया जहां उन्हें सदन की संरचना, कार्यप्रणाली तथा राजस्थान के संसदीय इतिहास के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया।

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाना ही राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय : श्रेया गुहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती श्रेया गुहा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थिति कॉफ्रेंस हॉल में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग ने बताया कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यह परिषद स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और आजीविका संवर्धन का कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि राजीविका का मुख्य कार्य स्वयं सहायता समूह का गठन व सशक्तिकरण, ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देना, वित्तीय सहायता, विपणन सुविधा उपलब्ध कराना, विभिन्न आजीविका गतिविधियों जैसे हस्तशिल्प, कृषि, पशुपालन आदि को बढ़ावा देना और स्वयं सहायता समूह को वित्तीय संस्थाओं से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है। राज्य मिशन निदेशक आजीविका परियोजनाएं एवं स्वयं सहायता समूह श्रीमती नेहा गिरी ने बताया कि सोलर दीदी भारत सरकार के वर्ष 2030 तक नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में राजस्थान सरकार द्वारा नवीन पहल के तहत सोलर दीदी कैडर का गठन किया गया है। सोलर दीदी कैडर का प्रारंभ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं महिला उद्यमिता को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया है।

बैठक में पिछली 19 वीं बैठक की कार्यवाही को स्वीकृति दी गई और कार्यवाही स्थिति की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं की प्रगति की एवं नए वित्तीय वर्ष की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 की घोषणाओं में सोलर दीदी, राजस्थान महिला निधी, समावेषी आजीविका योजना की समीक्षा की गई साथ ही लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी और पशु सखी को प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर बेस्ट पर्फोमेंस वाली 10 दीदियों को टेबलेट दिये जाने की भी समीक्षा की गई। बजट घोषणा 3 लाख लखपति दीदियों को 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन दिये जाने की भी समीक्षा की गई।

बैठक में आयुक्त मनरेगा श्रीमती पुष्पा सत्यानी, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त श्रम विभाग श्रीमती पूजा कुमारी पार्थ, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन सुसलोनी खेमका, प्रोजेक्ट निदेशक (प्रशासन) राजीविका श्रीमती प्रीति सिंह सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला पर तलवार से हमला, मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला की तलवार से निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना कलिंजरा कस्बे में हुई और सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस आरोपी महिपाल बागोरा की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, हमलावर एक कार में आया और महिला पर तलवार से कई बार वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अपने वाहन को पास में छोड़कर पैदल ही भाग गया। राहगीरों ने पीड़िता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान लीला ताबियार (36) के रूप में हुई है। बांसवाड़ा के पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने बताया, महिला शिक्षिका है। उसके कथित पूर्व प्रेमी महिपाल बागोरा ने उस पर तलवार से हमला किया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' उन्होंने कहा, हमने आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई कार को जब्त कर लिया है और उसकी पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं।

रैली

जयपुर में राष्ट्रीय पशुपालक संघ के गठन के लिए 'महा बहिष्कार रैली' के दौरान खानाबदोश, अर्ध-खानाबदोश और विमुक्त जनजातियों (डीएनटी) के सदस्य।

बाघिन ने दिए पांच शावकों को जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश में पहली बार किसी बाघिन ने एक साथ पांच शावकों को जन्म दिया है। यह ऐतिहासिक क्षण जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में दर्ज हुआ है, जहां बाघिन रानी ने तीन नर और दो मादा शावकों को जन्म दिया। दो महीने की निगरानी और देखरेख के बाद अब इन नन्हे शावकों को मां रानी के साथ कराल में छोड़ दिया गया है। पर्यटक अब मानसून के मौसम में रानी और उसके शावकों का दीदार कर सकेंगे। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि रानी ने 27 अप्रैल को इन शावकों को जन्म दिया था। इसके बाद से ही सभी को विशेष निगरानी में रखा गया था। अब दो महीने पूरे होने पर इन्हें कराल में लाया गया है, जहां ये प्राकृतिक वातावरण में मां के साथ समय बिता रहे हैं।

डॉ. माथुर ने बताया कि पांचों शावकों को बीमारियों से बचाने के लिए पहले टीके लगाए गए और फिर जेंडर की पहचान की गई। इनमें से दो शावक सफेद और गोल्डन मेल हैं, जबकि दो अन्य गोल्डन शावक फीमेल हैं।

अब अगस्त में इन्हें बूस्टर डोज भी दी जाएगी। रानी और उसके पांचों शावकों को कराल में छोड़ने के बाद अब ये पहली बार पिंजरे से बाहर खुले में नजर आए हैं। मानसून की फुहारों में मिट्टी में खेलते और मां के साथ उछलते-कूदते शावक अब नाहरगढ़ पार्क के मुख्य आकर्षण बनते जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा इन पर विशेष निगरानी भी रखी जा रही है।

रबाघिन रानी ने पिछले साल 10 मई 2024 को भी तीन शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। शेष दो शावक अभी भी स्वस्थ हैं और पर्यटकों के बीच खासे लोकप्रिय हैं। इस साल अप्रैल में हुए पांच शावकों के जन्म के साथ अब रानी के कुल शावकों की संख्या आठ हो गई है। गर्भावस्था के दौरान रानी को गर्मी से बचाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। पिंजरे के पास कूलर और टाट की मोटी परतें लगाई गईं, साथ ही विशेष आहार भी दिया गया। स्टाफ ने शावकों के जन्म के बाद दो महीने तक सतत निगरानी रखी, जिससे सभी बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ और सक्रिय हैं।

कनिष्ठ अभियंता एवं तकनीकी सहायक 60 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के एक कनिष्ठ अभियंता एवं एक तकनीकी सहायक को एक मामले में 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय को परिवादी ने शिकायत की कि उसके धर्म भाई के मकान में बिजली कनेक्शन के लिए निगम के कार्यालय कनिष्ठ अभियंता बड़ के बालाजी के लाईनमेन सुरेश बैरवा द्वारा बिजली कनेक्शन करने की एवज में 70 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है।

पाकिस्तानी जोड़े का भारत में बसने का सपना टूटा, तेज गर्मी और प्यास से हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। भारत में नयी ज़िंदगी शुरू करने के लिए उत्सुक पाकिस्तान के एक नाबालिग जोड़े को भारतीय वीज़ा हासिल करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा जिसके बाद वे पैदल ही थार रेगिस्तान से होकर जाने वाली सीमा पार करने के लिए निकल पड़े लेकिन अफसोस की बात यह रही कि तेज गर्मी और प्यास के कारण रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कठोर परिस्थितियों का सामना करते हुए नाबालिग जोड़ा 17 वर्षीय लड़का और 15 वर्षीय लड़की जैसलमेर में प्रवेश करने में तो सफल हो गए लेकिन भीषण गर्मी उनके लिए जानलेवा साबित हुई। एक स्थानीय कार्यकर्ता के अनुसार तेज गर्मी और शरीर में पानी की कमी के कारण उनकी मौत हो गई। 28 जून को तनोट क्षेत्र में उनके क्षतविक्षत शव पाए गए। पुलिस अधीक्षक चौधरी ने बताया कि लड़के का शव एक पेड़ के नीचे मिला। उसने आसमानी नीले रंग का सलवार कुर्ता पहना हुआ था। शव के पास एक पीला स्कार्फ और एक मोबाइल फोन भी मिला है, साथ ही उसके चेहरे के पास एक खाली कैन भी मिली है, जिसमें संभवतः पहले पानी भरा रहा होगा।

उन्होंने बताया कि करीब 50 फुट दूर पुलिस को लड़की का शव मिला, जो पीले रंग का घाघरा-कुर्ता और लाल-सफेद चूड़ियां पहने हुए थी। दोनों शव मुंह के बल पड़े थे और इस हद तक क्षत विक्षत हो चुके थे कि उनकी पहचान संभव नहीं थी। शवों के पास से पाकिस्तानी पहचान पत्र बरामद किए गए। भारत में पाकिस्तानी अल्पसंख्यक प्रवासियों के अधिकारों की पैरोकारी करने वाले संगठन 'सीमांत लोक संगठन' के जिला समन्वयक दिलीप सिंह सोढ़ा के अनुसार, लड़का पाकिस्तान के सिंध प्रांत का रहने वाला था और उसने करीब डेढ़ साल पहले भारत के लिए तीर्थयात्रा वीजा के लिए आवेदन किया था।

सोढ़ा ने कहा कि जब लड़के को भारतीय वीजा मिलने की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं तो उसने अपनी पत्नी के साथ सीमा पार जाने का फैसला किया। सोढ़ा ने कहा, वह भारत में रहना चाहता था। वह किसी तरह भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया लेकिन दुर्भाग्य से उसकी मौत हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया पर पहचान पत्रों का विवरण प्रसारित किया और जैसलमेर में लड़के के रिश्तेदारों से संपर्क किया, जिन्होंने उसकी पहचान की पुष्टि की।

दोनों की कठिन यात्रा का विवरण साझा करते हुए सोढ़ा ने कहा कि उनके रिश्तेदारों के अनुसार, लड़के की बाइक सीमा से लगभग 20 किमी दूर मिली थी, और उनके शव भारत के अंदर सीमा से लगभग 12-13 किमी दूर पाए गए थे। जैसलमेर के क्षेत्राधिकारी रूप सिंह इंदा ने बताया कि पुलिस ने जैसलमेर स्थित स्थानीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) से लड़के के वीजा आवेदन के बारे में जानकारी मांगी है। इंदा ने कहा, हमें अभी तक इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत। अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राज्य सरकार एवं गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति

के बीच हुए समझौतों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की अगुवाई में सम्पन्न हुई इस बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के निस्तारण, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, देवनारायण योजना की प्रगति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं पर सकारात्मक चर्चा की गयी। समिति द्वारा सम्बंधित विभागों को इस सम्बन्ध में 15 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए तथा आंदोलन समिति द्वारा नामित प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर ए. सावंत सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देश की करोड़ों महिलाओं के लिए आदर्श हैं राष्ट्रपति मुर्मू : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'करोड़ों भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा' और 'शून्य से शिखर' तक की यात्रा का प्रतीक बताते हुए मंगलवार को कहा कि उनका जीवन दर्शाता है कि कैसे दृढ़ संकल्प और राष्ट्र-प्रथम की भावना के साथ हम प्रतिकूल परिस्थितियों से ऊपर उठ सकते हैं।

राष्ट्रपति द्वारा गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नई शैक्षणिक सुविधाओं का उद्घाटन और एक बालिका छात्रावास की आधारशिला रखे जाने के अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति जी देश की कोटि-कोटि मातृशक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। फर्श से अर्श की यात्रा, शून्य से शिखर की यात्रा कैसे होती है, वह उसकी एक विशिष्ट पहचान हैं। आदित्यनाथ ने कहा, देश के लिए संघर्षों से जिन्होंने अपना रास्ता तैयार किया हो, विपरीत परिस्थितियों और आपदाओं का सामना करते हुए भी अपने स्वयं के संकट को कभी प्रगति के मार्ग में बाधा न मानते हुए उन्होंने हमेशा राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ पूरा जीवन समाज के वंचित तबकों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति जी का गोरखपुर के दो दिन प्रवास और उनका जो विशेष सानिध्य गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुआ, उसका आभार व्यक्त करते हुए हृदय से उनका स्वागत करता हूं।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की दो दिवसीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति की सराहना करते हुए कहा, राष्ट्रपति जी जमीनी स्तर से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की यात्रा का प्रतीक हैं। उनका जीवन दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाने और राष्ट्र और वंचितों के कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने का एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के बावजूद गोरखपुर में राष्ट्रपति का कार्यक्रम शिक्षा, सार्वजनिक सेवा और युवा सशक्तीकरण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति आज प्रातः काल से ही आयुष विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में और इस दौरान छात्र-छात्राओं के साथ जगह-जगह सड़कों पर नजर आयीं। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत का कोई संवैधानिक प्रमुख सड़क पर छात्रों का अभिवादन करता हुआ बच्चों के साथ जाकर उनके साथ संवाद करे। वह अभिभूत करने वाला क्षण था। कवि रामधारी सिंह दिनकर को उद्धृत करते हुए, आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति की अथक भावना की तुलना एक सच्चे राष्ट्रीय नेता से की।

देश में रेल किराया बढ़ाना आम जनहित के खिलाफ : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने देश में रेल के किराये में वृद्धि को आम जनहित के खिलाफ करार देते हुए मंगलवार को कहा कि यह फैसला संविधान के कल्याणकारी उद्देश्य के बजाय केंद्र सरकार की व्यावसायिक सोच को दर्शाता है।

मायावती ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''जैसा कि विदित है कि जब देश की अधिकांश जनता अत्यधिक महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी एवं आय में कमी के कारण रोजमर्रा की भूख-प्यास से त्रस्त एवं दुखी है। तो ऐसी स्थिति में केंद्र द्वारा देश में रेल किराये में की गई वृद्धि आम जनता के हित के विरुद्ध लिया गया निर्णय प्रतीत होता है।'' उन्होंने कहा कि यह संविधान के किसी कल्याणकारी उद्देश्य को पूरा करने के बजाय एक व्यापारिक सोच वाला निर्णय है।

रेल मंत्रालय ने एक जुलाई से मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में गैर-वातानुकूलित श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर और सभी वातानुकूलित श्रेणी में दो पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि की है।

बिहार मंत्रिमंडल ने सीतामढ़ी में मंदिर के विकास के लिए 882.87 करोड़ रुपए मंजूर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने सीतामढ़ी जिले में स्थित हिंदू तीर्थ स्थल पुनौराधाम जानकी मंदिर के समग्र विकास के लिए 882 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को मंगलवार को मंजूरी दे दी। सीतामढ़ी जिले को सीता का जन्मस्थान माना जाता है।

यह निर्णय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

कुमार ने मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने हेतु भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं के निर्माण की योजना को आज कैबिनेट से मंजूरी दे दी गई है। आज कैबिनेट में पुनौराधाम के समग्र विकास के लिए तैयार की गई वृहद योजना के लिए 882 करोड़ 87 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।'' मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत राज्य पर्यटन विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, पुराने पुनौराधाम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार पर करीब 137 करोड़ रुपए और मंदिर के आसपास पर्यटक आधारभूत संरचना के विकास पर 728 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। शेष राशि दस वर्षों तक आधारभूत संरचना के रखरखाव पर खर्च की जाएगी।

मुख्यमंत्री कुमार ने कहा, ''इस योजना का जल्द ही कार्यारंभ कर दिया जाएगा। मैंने अगस्त महीने तक इसका शिलान्यास कराने का निर्देश दिया है। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने हेतु कृतसंकल्पित हैं। इसका श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या की तर्ज पर समग्र विकास किया जाएगा। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण सभी देशवासियों के लिए तथा विशेष रूप से हम सभी बिहारवासियों के लिए सौभाग्य एवं गर्व की बात है।''

वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के रक्षक भी हैं : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राज्य सरकार द्वारा आयोजित वन महोत्सव 2025'' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' वृहद पौधा रोपण अभियान की शुरुआत की और कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के रक्षक भी हैं।

राजभवन से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अतिथि गृह प्रांगण में पटेल ने रुद्राक्ष तथा लाल चंदन के पौधों का रोपण कर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों के अद्वितीय समन्वय का संदेश दिया। इस मौके पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा, ''वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के भी रक्षक हैं।'' उन्होंने कहा,'''एक पेड़ मां के नाम' अभियान, प्रकृति और मातृत्व दोनों के प्रति हमारी श्रद्धा को अभिव्यक्त करता है।'' उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि एक ही प्रजाति के पौधों को एक स्थान पर रोपित किया जाए, जिससे उनका वैज्ञानिक और सौंदर्यात्मक विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राज्यपाल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय द्वारा मियावाकी वन तथा चंदन वाटिका की स्थापना की जा रही है, जो पर्यावरणीय चेतना के प्रसार में सहायक सिद्ध होंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गोरखपुर में लगाया पौधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 'वन महोत्सव-2025' की शुरुआत करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा रोपा। राष्ट्रपति ने पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया। 'वन महोत्सव-2025' एक से सात जुलाई तक चलेगा।

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने वहां आयुष विश्वविद्यालय में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। वन महोत्सव के अंतर्गत ही वन, पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने लखनऊ के कुकरैल में त्रिवेणी वन (बरगद, नीम और पीपल) की स्थापना की। उन्होंने यहां ओपन जिम का उद्घाटन, योग ध्यान केंद्र का शुभारंभ व भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का मनमाना फैसला वापस लेना चाहिए : दीपांकर भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अपने स्पष्टीकरण से और भी भ्रम पैदा कर रहा है, जबकि इसे इस मनमाने निर्णय को वापस लेना चाहिए।

भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के सामान्य रूप से अद्यतन करने के आधार पर चुनाव कराना चाहिए जैसा कि पिछले दो दशकों के दौरान हर चुनाव में किया गया है। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को कहा था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि ये कई कारणों से बदलती रहती हैं और संविधान में प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो नहीं हैं, वो वोट नहीं दे सकें। आयोग ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब कई विपक्षी दलों ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के कारण राज्य मशीनरी का उपयोग करके बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा है। भट्टाचार्य ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ईसीआई बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में जितना अधिक स्पष्टीकरण देना चाहता है, उतना ही अधिक भ्रमित और गुमराह होता जाता है। उन्होंने सवाल किया कि अब यह कहकर एसआईआर को मामूली विषय बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है कि नामावली को सालाना संशोधित किया जाता है? वामपंथी नेता ने दावा किया, केवल नागरिक ही वोट देने के हकदार हैं, लेकिन भारत में पहले कभी भी मतदाताओं से अपनी नागरिकता साबित करने के लिए नहीं कहा गया था। अब प्रत्येक मतदाता पर संदेह किया जा रहा है और उन दस्तावेजों की मदद से अपनी नागरिकता साबित करने के लिए कहा जा रहा है जो भारत में बहुत सारे लोगों के पास अभी भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं देता है कि एसआईआर शुरू करने से पहले उसने किसी भी राजनीतिक दल के साथ पूर्व परामर्श क्यों नहीं किया?

आर्थिक अन्याय का हथियार बना जीएसटी : राहुल

संशोधन कर संघीय भावना के अनुकूल बनाने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने के आठ साल पूरा होने के मौके पर मंगलवार को आरोप लगाया कि यह आर्थिक अन्याय का एक हथियर बन गया है तथा इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मौजूदा जीएसटी प्रणाली में संशोधन की पैरवी की और कहा कि भारत एक ऐसी कर प्रणाली का हकदार है, जो केवल विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। जीएसटी को एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आठ साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है। यह आर्थिक अन्याय और कॉरपोरेट भाईचारे का एक बर्बर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति दोस्तों को लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।'' उन्होंने दावा किया कि ''अच्छे और सरल कर'' का वादा किया गया था, लेकिन भारत को पांच अलग-अलग दर वाली कर व्यवस्था मिली, जिसे 900 से अधिक बार संशोधित किया गया है। राहुल गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां तक कि पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके दायरे में आ गए।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ता एमएसएमई क्षेत्र को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना टैक्स छूट में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आनंद लेते हैं।'' उनके अनुसार, पेट्रोल और डीजल को जानबूझकर जीएसटी ढांचे से बाहर रखा गया है, जिससे किसानों, ट्रांसपोर्टरों और आम लोगों को नुकसान हो रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''गैर-भाजपा शासित राज्यों को दंडित करने के लिए जीएसटी बकाया को भी हथियार बनाया गया है, जो मोदी सरकार के संघवाद विरोधी एजेंडे का स्पष्ट प्रमाण है।''

उनका कहना था, ''जीएसटी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का एक दूरदर्शी विचार था, जिसका उद्देश्य भारत के बाजारों को एकजुट करना और कराधान को सरल बनाना था, लेकिन खराब कार्यान्वयन, राजनीतिक पूर्वाग्रह से इस मामले में धोखा दिया गया है। एक संशोधित जीएसटी लोगों के लिए सबसे पहले, व्यापार के अनुकूल और वास्तव में संघीय भावना वाला होना चाहिए।''

ओडिशा के बालासोर में बाढ़ की स्थिति गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में मंगलवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और जिले के उत्तरी हिस्सों में लगभग 100 गांवों के लोग जलमग्न सड़कों और खेतों के कारण बेहाल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि हालिया भारी बारिश और झारखंड से पानी छोड़े जाने के कारण स्वर्णरेखा नदी में आई बाढ़ की वजह से भोगराई, बलियापाल, जलेश्वर और बस्ता प्रखंड के गांव प्रभावित हुए हैं।

बस्ता और बालासोर सदर ब्लॉक के कुछ गांव जलका नदी की बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि स्वर्णरेखा और जलका नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे घट रहा है, लेकिन बीते तीन दिनों से राजघाट और मथनी में यह खतरे के निशान के ऊपर या उसके आसपास प्रवाहित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि बालासोर कलेक्टर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस्ता, जलेश्वर, बलियापाल और भोगराई में मौजूदा बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

विज्ञप्ति में कहा गया कि अब तक सात प्रखंडों की 46 ग्राम पंचायतें/वार्ड बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सोमवार शाम तक 2,916 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर 17 राहत शिविरों में ठहराया गया है।

जाजपुर की जिलाधिकारी पी. अन्वेषा रेड्डी ने कहा, हम पूरी तरह सतर्क हैं और दशरथपुर, जाजपुर, बिंझरपुर और कोरई प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारी आवश्यक कार्य कर रहे हैं।

ओडिशा में गरीब लोगों को अधिक ऋण उपलब्ध कराएं निजी बैंक : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रमुख निजी बैंकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत राज्य के गरीबों को दिए जाने वाले ऋण को बढ़ाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि माझी ने आईसीआईसीआई, एक्सिस और एचडीएफसी बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही और सुझाव दिया कि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत गरीबों को अधिक ऋण उपलब्ध कराना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह सुझाव उस समय दिया, जब यह पता चला कि कृषि ऋण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, आवास ऋण, शिक्षा ऋण और निर्यात ऋण जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में इन बैंकों का प्रदर्शन बहुत खराब है। सूत्रों ने बताया कि खराब प्रदर्शन को देखते हुए राज्य सरकार ने 21 जून को इन बैंकों को अपनी पैनल सूची से हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने निजी बैंकों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कई गरीब कल्याण योजनाओं को लागू कर रही है।

पटना हवाई अड्डे पर बम की धमकी

पटना/भाषा। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेपीएनआई) पर, ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है, हालांकि जांच के बाद यह धमकी फर्जी निकली। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पटना की नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य), दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कुछ दिन पहले पटना के जेपीएनआई हवाई अड्डे पर ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और आगे की सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। बम के बारे में ईमेल से मिली जानकारी फर्जी निकली।'' उन्होंने बताया कि धमकी के बाद हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसपी ने बताया, ''इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। अब हम मेल के आईपी एड्रेस का पता लगाने और भेजने वाले को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।''

बेन स्टोक्स ने जसप्रीत बुमराह फैक्टर को खारिज किया, खुद को ऋषभ पंत का बड़ा प्रशंसक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मंगलवार को जसप्रीत बुमराह के पांच में से केवल तीन टेस्ट मैचों में उपलब्ध होने को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करते हुए इसे ''भारत की समस्या'' करार दिया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम बुधवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में कड़ी चुनौती पेश करेगी।

बुमराह लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला जिससे शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम मज़बूत स्थिति में होने के बावजूद हार गई। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज़ इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने खास चुनौती पेश नहीं कर पाए। भारत ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि बुमराह इंग्लैंड में किन तीन टेस्ट मैचों का हिस्सा होंगे। उन्होंने एक मैच खेला है और उन्हें अब अगले चार मैचों में से दो में खेलना है। इंग्लैंड की टीम हालांकि बुमराह की उपलब्धता को लेकर चिंतित नहीं है और उसका ध्यान

शृंखला में अपनी बढ़त मजबूत करने पर है। स्टोक्स ने मैच की पूर्व संध्या पर बुमराह से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''यह भारत की समस्या है। वे इससे निपट लेंगे। मैं इंग्लैंड का कप्तान हूं।'' इंग्लैंड के कप्तान से जब भारतीय टीम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''अच्छी टीम है। वे हमेशा कड़ी टक्कर देते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं। उसके खिलाड़ी बहुत जुनूनी हैं।'' उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे खिलाड़ियों पर हमेशा दबाव होता है लेकिन भारत की तरफ से विशेष कर क्रिकेट में खेलने पर अन्य टीमों की तुलना में अधिक दबाव होता है। पिछले सप्ताह जो कुछ हुआ वह अतीत की बात है। यह नया मैच है और हम इसमें फिर से नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं।'' स्टोक्स ने खुद को ऋषभ पंत का बड़ा प्रशंसक बताया जिन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। पंत के आक्रामक अंदाज को देखकर इंग्लैंड का कप्तान भी खुद को मुस्कुराने से नहीं रोक पाया था। स्टोक्स ने कहा, ''भले ही वह विपक्षी टीम में हो, लेकिन मुझे ऋषभ को क्रिकेट खेलते हुए देखना पसंद है। मुझे वह तरीका पसंद है जिससे वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलता है। जब आप उसे स्वच्छंद होकर खेलने देते हैं तो फिर वही होता है जो पिछले सप्ताह हुआ।'' पंत एक टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए, जिससे क्रिकेट जगत ने उनकी प्रशंसा की।

''खेलो भारत'' नीति को कैबिनेट की मंजूरी : नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'खेलो भारत नीति' को अपनी सरकार की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद कहा कि यह भारत के प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और देश को खेलों का केंद्र बनाने के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह नीति पांच स्तंभों पर आधारित है: वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता, आर्थिक विकास के लिए खेल, सामाजिक विकास के लिए खेल, लोगों के आंदोलन के रूप में खेल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के साथ एकीकरण। उन्होंने कहा, आशा है कि प्रतिभावान भारतीय खिलाड़ी हमेशा फलते-फूलते रहें। केंद्रीय मंत्रिमंडल के अन्य प्रमुख निर्णयों पर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि अनुसंधान विकास एवं नवाचार योजना इस क्षेत्र में परिवर्तनकारी साबित होगी। उन्होंने कहा, एक लाख करोड़ रुपए की यह योजना उभरते क्षेत्रों पर बड़ा प्रभाव डालेगी। यह अनुसंधान एवं विकास की दुनिया में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी बढ़ावा देगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और पहली बार नौकरी करने वालों को प्रोत्साहन देने से उन्हें लाभ होगा। मोदी ने कहा कि चार लेन वाले परमकुडी-रामनाथपुरम खंड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी मिलना तमिलनाडु की प्रगति के लिए बहुत अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि इससे यातायात की भीड़ कम होगी और आर्थिक विकास व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सुविचार

राधा का प्रेम समर्पण नहीं, एक उत्सव था, जिसमें हर दिन कृष्ण बसते थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सौंदर्य उपचार, सेहत से खिलवाड़

'सौंदर्य वृद्धि' के नाम पर सेहत से खिलवाड़ के प्रयोग खतरनाक साबित हो रहे हैं। हाल में एक मशहूर अभिनेत्री की मौत के बाद ऐसी दवाइयों के सेवन को लेकर बहस होनी जरूरी है, जिनके लिए कहा जाता है कि ये बढ़ती उम्र की रफ्तार धीमी कर देती हैं, जिससे व्यक्ति ज्यादा जवान और ज्यादा सुंदर दिखने लगता है। सिनेमा जगत से जुड़े कई लोगों के बारे में ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि उन्होंने विदेश जाकर सौंदर्य उपचार कराया था। उनकी देखादेखी भारत में भी कई लोग चेहरे की चमक बढ़ाने, ज्यादा जवान नजर आने, झुर्रियां मिटाने और ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए खास तरह की दवाइयां ले रहे हैं। ऐसे भी मामले सुर्खियों में रहे हैं, जब किसी व्यक्ति ने सिर पर बाल लगवाए तो उसकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ लोगों की मौत तक हो चुकी है। सवाल है– शारीरिक सुंदरता को बढ़ाने की ऐसी चाहत क्यों? हमेशा जवान रहने का मोह क्यों? आज सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार देखने को मिलती है, जिसमें दावा किया जाता है कि फलां चीज लगाने या उपचार कराने से आप बहुत सुंदर दिखने लगेंगे! क्या ऐसे दावों से कृत्रिम सौंदर्य का भ्रम पैदा नहीं होता? लोग जिस चमक–दमक के पीछे भाग रहे हैं, उसके खतरों के बारे में क्यों नहीं जानना चाहते? अगर किसी उपचार के जरिए ज्यादा सुंदर, ज्यादा आकर्षक, ज्यादा जवान हो भी गए तो कितने वर्षों तक रहेंगे? उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक बदलाव आना स्वाभाविक है। इसे रोकने की कोशिश करना प्रकृति के काम में हस्तक्षेप करना है। हां, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। अगर कोई स्वास्थ्य समस्या हो तो चिकित्सक से उपचार कराना चाहिए। हमारे महान ऋषियों–मुनियों ने तो आयुर्वेद में ऐसे कई उपायों का उल्लेख किया है, जिन पर अमल करने से मनुष्य उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्राप्त कर सकता है।

जहां तक ऐसे उपचारों का सवाल है, जो 'बढ़ती उम्र रोकने या धीमी करने' का दावा करते हैं, तो उनके साथ कई गंभीर जोखिम भी जुड़े होते हैं। युवाओं में बोटॉक्स, फिलर्स और लिपोसक्शन जैसे उपचारों को अपनाने की होड़ बढ़ती जा रही है। क्या बाहरी चमक–दमक ही असली सौंदर्य है? इतना ध्यान वैचारिक सौंदर्य की ओर क्यों नहीं दिया जाता? पिछले कुछ दशकों में समाज ने सुंदरता के जो कृत्रिम मानक बना लिए हैं, हमें उनसे बाहर निकलना होगा। क्या वजह है कि ब्याह–शादी के विज्ञापनों में एक खास रंग को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है? हमारे बाजार ऐसे सौंदर्य प्रसाधनों से भरे पड़े हैं, जिनकी कंपनियां वर्षों से दावा कर रही हैं कि ये त्वचा के रंग को बदलकर ऐसा बना देंगे, जिसे बहुत सुंदर माना जाता है! क्या ऐसी सोच उन लोगों के प्रति भेदभाव को बढ़ावा नहीं देती, जिनकी त्वचा का रंग वैसा नहीं है? सोशल मीडिया पर दिखाए जा रहे 'परफेक्ट' चेहरों और 'सुंदर' शरीरों का अनुकरण करने के बजाय उत्तम स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुकूल जीवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। जोखिम भरे सौंदर्य उपचार क्षणिक खुशी एवं संतुष्टि जरूर दे सकते हैं। इनके बल पर कोई व्यक्ति कब तक जवान रहेगा? एक दिन ये उपचार भी किसी काम नहीं आएंगे। ईश्वर ने जो जीवन दिया है, वह अनमोल है। उसे किसी खतरनाक सौंदर्य उपचार के नाम पर संकट में डाल देना कहां की अक्लमंदी है? लोगों को मैं कितना सुंदर दिखूंगा/गी, मैं कब तक ज्यादा जवान दिखूंगा/गी – जैसे सवाल हमारे मन में अनावश्यक चिंता पैदा करते हैं। इनमें उलझने के बजाय ईश्वर ने हमें जैसा बनाया है, उसी में संतुष्ट रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भाजपा नेताओं के प्रदेश में दौरों के समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अकारण हिरासत में लेना आजकल पुलिस का नया चलन बन गया है। अर्जुन राम मेघवाल के अनूपगढ़ दौरे से पहले अनूपगढ़ जिला बहाल करने की मांग कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

–अशोक गहलोत

भारत–पाक युद्ध में अद्भुत शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए राष्ट्र की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले परमवीर चक्र से विभूषित अब्दुल हमीद की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन! मातृभूमि के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है।

सामयिक

समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा की जरूरत

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9425488224

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदला गया, जिसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन शब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन शब्दों की समीक्षा करने का आवाहन संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात का संकेत है, जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल–पुथल पैदा कर सकते हैं। यह बदलाव हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है।

भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों की संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ों के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति–निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। मुगल काल में अकबर और मुगलकालीन स्थापत्य के चित्र हैं। लेकिन बाबर औरंगजेब की चर्चा नहीं है। क्योंकि ये क्रूर और मंदिरों के विध्वंसक रहे हैं। इसी क्रम में वीर शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान से जुड़े चित्र हैं। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ,

क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था?

दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मों के लिए समान आदर हो, लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कर सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया।

शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता–तंत्र को मिली रहे। जहां तक गणतंत्र शब्द का प्रश्न है तो विक्टर ह्यूगो ने इसे यूं परिभाषित किया है, 'जिस तरह व्यक्ति का अस्तित्व उसके जीने की इच्छा की लगातार पुष्टि है, उसी तरह देश का अस्तित्व उसमें रहने वालों का परस्पर तालमेल नित्य होने वाला जनमत संग्रह है।' दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प–धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देश के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोशिशें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है।

भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक–बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं। जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। हालांकि आजादी के ठीक बाद प्रगतिशील बौद्धिकों ने भारतीय नागरिकता को मूल अर्थ में स्थापित करने का प्रयास किया था, लेकिन धर्मनिरपेक्षता के फेर में मूल अर्थ सांप्रदायिक खानों में विभाजित होता चला जा रहा है, जिसका संकट अब कुछ ज्यादा ही गहरा गया है।

वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है। भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। इस बाबत न्यायमूर्ति राजगोपाल आय्यंगर ने जरूर इतना कहा है, 'मैं यह जोड़ना चाहता हूं कि अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक सहिष्णुता का वह सिद्धांत शामिल है, जो इतिहास के प्रारंभ से ही भारतीय सभ्यता की विशेषता रहा है।' इसी क्रम में यह भी कहा, 'धर्म शब्द की व्याख्या लोकतंत्र में नहीं हुई है और यह ऐसा शब्द है, जिसकी निश्चित व्याख्या संभव नहीं है।' संभवतः इसीलिए न्यायालय को कहना पड़ा था कि 'गणतंत्र का धर्मनिरपेक्ष स्वभाव राष्ट्रनिर्माताओं की इच्छा के अनुरूप होना चाहिए और इसे ही संविधान का आधार माना जाना चाहिए।' अब यहां संकट यह भी है कि भारत राष्ट्र का निर्माता कोई एक नायक नहीं रहा। गरम, नरम और नेताजी सुभाष के सैन्य दलों के विद्रोह से विभाजित स्वतंत्रता संभव हुई। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न–भिन्न हैं। एक ही ऋषि नहीं है, जिसका प्रमाण माना जाए। धर्म का तत्व गुफा में निहित है। अतः जहां से महापुरुष जाएं, वही सही धर्म या मार्ग है।'

इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सत्य एक है। विद्वान उसे अलग–अलग तरीके से कहते हैं। भारतीय दर्शन इसे मुंडे मुंडे मतिर्भिन्ना कहता है। अर्थात सर्वधर्म सद्भाव भारतीय–संस्कृति का मूल है, धर्मनिरपेक्ष हमारी संस्कृति का मूल नहीं है। इसलिए इसे हटाने पर विचार होना चाहिए। वैसे भी भारतीय परंपरा में धर्म कर्तव्य के अर्थ में प्रचलित है। यानी मां का धर्म, पिता का धर्म, पुत्र का धर्म, स्वामी का धर्म और सेवक का धर्म, इस संदर्भ में कर्तव्य से निरपेक्ष कैसे रहा जा सकता है? सेक्युलर के लिए शब्दकोश में पंथनिरपेक्ष शब्द भी दिया गया है, पर इसे प्रचलन में नहीं लिया गया। अतएव यह आवश्यक हो गया है कि संविधान में जो भी ठूंसे गए विकार और विसंगतियां हैं, उन्हें जम्मू–कश्मीर को अलग करने वाली धारा 370 की तरह विलोपित कर देना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने ठीक ही कहा है कि डॉ अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक संविधान की कल्पना की थी। उन्होंने कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का समर्थन नहीं किया। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद–370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए एक संविधान के तहत एकजुट भारत से संबंधित डॉ अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली है। गवई पांच न्यायाधीशों की उस संविधान पीठ के सदस्य थे, जिसकी अध्यक्षता तब के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने की थी। इस पीठ ने सर्वसम्मति से अनुच्छेद–370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन किया था। अतएव धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से विलोपित करके उसे मूल स्वरूप में लाने की जरूरत है।

नजरिया

पर्यावरण पर प्लास्टिक प्रदूषण का कसता शिकंजा

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 8237417041

दुनियाभर में जितने भी आविष्कार हुए, वो मानवजाति के विकास में सहयोग हेतु हुए, परंतु मानव ने अपनी आवश्यकताओं की सीमा को तोड़कर मनमानी शुरू कर दी और अपने साथ ही समस्त जीव सृष्टि के लिए विनाश का बिगुल फूंक दिया। ऐसा ही प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारे पृथ्वी के लिए बड़ी समस्या बना है। धरती, आकाश, जल, हवा संपूर्ण वातावरण में प्लास्टिक प्रदूषण ने जीवन के लिए खतरा पैदा किया है और यह खतरा तेजी से घातक स्तर पर बढ़ रहा है, फिर भी लोग समझने को तैयार नहीं है। हम अक्सर देखते हैं कि विशिष्ट प्लास्टिक बैग और अन्य प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध तरीके से धड़ल्ले से उपयोग की जाती है। प्लास्टिक प्रदूषण जीवन चक्र को बाधित करके नुकसान पहुंचा रहा है। इसी समस्या की गंभीरता को समझने के लिए हर साल 3 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम करके उसके टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देना यह है। यह थीम डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग की समस्या को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देता है और पुन: प्रयोज्य विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और प्लास्टिक मुक्त भविष्य के लिए कार्रवाई को प्रेरित करना भी है।

संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम अनुसार, हर साल 460 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है। प्लास्टिक का इस्तेमाल लगभग सभी औद्योगिक गतिविधियों में, निर्माण में, वाहनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि तक और सभी उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। साल 2019 में पर्यावरण में वैश्विक प्लास्टिक कचरे में से 88 प्रतिशत या लगभग 20 मिलियन मीट्रिक टन मैक्रोप्लास्टिक था, जो सभी पारिस्थितिकी तंत्रों को प्रदूषित करता है। दुनिया का अधिकतर प्लास्टिक प्रदूषण बोतलों, कैप, शॉपिंग बैग, कप, स्ट्रॉ जैसे सिंगल–यूज़ उत्पादों से आता है। रोजाना दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2,000 ट्रक प्लास्टिक कचरा डाला जाता है। यूएनईपी 2025 अनुसार, अब तक उत्पादित

प्लास्टिक का केवल 9 फीसदी ही रीसाइकिल किया गया है, शेष वातावरण में प्रदूषण के रूप में मौजूद है। ईएमएफ 2016 अनुसार, साल 2050 तक, समुद्र में मछलियों से ज़्यादा प्लास्टिक हो सकता है। यूके सरकार 2018 अनुसार, हर साल समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण से 100,000 से अधिक समुद्री स्तनधारी और दस लाख समुद्री पक्षी मारे जाते है। सभी समुद्री कूड़े में प्लास्टिक 80 प्रतिशत है। प्लास्टिक हजार साल तक नष्ट न होनेवाला अपशिष्ट है, 1950 से अब तक दुनिया भर में 9.2 बिलियन टन से ज़्यादा प्लास्टिक का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 7 बिलियन टन कचरे के रूप में गया है। स्टेटिस्टा दर्शाता है कि, पिछले चार दशकों में वैश्विक प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन में सात गुना वृद्धि हुई है। एशिया वह क्षेत्र है जो सबसे अधिक अप्रबंधित प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जो वैश्विक कुल का 65 प्रतिशत है।

प्लास्टिक प्रदूषण हमारे भोजन, पीने के पानी और हमारे द्वारा साँस ली जाने वाली ऑक्सीजन के माध्यम से भी हमारे शरीर में प्रवेश करता है। सौर विकिरण, हवा, धाराओं और अन्य प्राकृतिक कारकों के कारण, प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में टूट जाता है। नैनोप्लास्टिक शरीर में सहज प्रवेश करने में सक्षम है। माइक्रोप्लास्टिक हमारे दिल, फेफड़े, लीवर, तिल्ली, गुर्दे और दिमाग में भी पाए गए हैं, और हाल ही में किए गए एक अध्ययन में नवजात शिशुओं के प्लेसेंटा में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। प्लास्टिक से निकलनेवाले कम से कम 4,219 रसायन चिंता का विषय है। समुद्र में 24 ट्रिलियन माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े होने के कारण, समुद्री जीव अक्सर प्लास्टिक निगल लेते हैं। जब समुद्री जलचर को मनुष्य खाते हैं, तो वह प्लास्टिक मनुष्य के शरीर में प्रवेश करता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि औसत व्यक्ति हर साल समुद्री भोजन से लगभग 53,864 माइक्रोप्लास्टिक कण खाता है।

भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत बढ़कर प्रति वर्ष अनुमानित 11 किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार बढ़ेगी। हर साल 5.8 मिलियन टन से अधिक कचरे को जला दिया जाता है, जिससे हवा में डाइऑक्सिन जैसे अनेक घातक प्रदूषक फैलते है और ये ध्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनते है, साथ ही कैंसर के जोखिम को बढ़ाते है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अनुसार, 2030 तक बिना एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे से भारत को भौतिक मूल्य में 133 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है।

प्लास्टिक बैग पशु मृत्यु को बढ़ावा देता है, यह बायोडिग्रेडेबल नहीं होते, प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बनाए जाते है, इसके निर्माण के दौरान जहरीले रसायन निकलते है। प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते है। प्लास्टिक बैग के बड़े जमाव से अक्सर जल निकासी व्यवस्था अवरुद्ध हो जाती है। प्लास्टिक बैग बच्चों को फेफड़ों की जटिलताओं के जोखिम बढ़ाते है और महिलाओं में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते है, साथ ही प्लास्टिक पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है। प्लास्टिक बैग भूजल को प्रदूषित करते है, प्लास्टिक प्रदूषण प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। प्लास्टिक बैग के उत्पादन में बहुत अधिक पानी का उपयोग किया जाता है।

अनभिज्ञता या लापरवाही कहें, लोग अक्सर गर्म खाद्यपदार्थों की पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग सहजता से करते है। हम अपने आसपास देखते है कि गर्म पेय, चाय, कॉफी भी छोटी–छोटी कैरीबैग में लेकर जाते है। होटल, रेस्टोरेंट या सड़कों पर गर्मागर्म स्ट्रीट फूड, नाश्ता, खाना भी प्लास्टिक प्लेट में खाते है या प्लास्टिक कैरीबैग में पार्सल के तौर पर उपयोग करते है, जो सेहत के लिए काफी घातक होता है। प्लास्टिक बैग में गर्म खाद्यपदार्थ या अन्न सामग्री का उपयोग जहर के समान है, क्योंकि गर्म खाद्यपदार्थ प्लास्टिक के संपर्क में आते ही रासायनिक प्रक्रिया शुरू करते है, प्लास्टिक गर्म होते ही उससे निकलनेवाले घातक रसायन खाद्य पदार्थों में समाविष्ट हो जाते है और मनुष्य उस खाद्यपदार्थ का सेवन करके सीधे जानलेवा बीमारियों को आमंत्रित करता है। यह सब जानते हुए भी देश में बड़ी मात्रा में खाद्यपदार्थों के लिए प्लास्टिक का उपयोग बेख़ौफ़ तरीके से होता है।

प्लास्टिक का उत्पादन उपभोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए है, अगर हम उपभोक्ता ही प्लास्टिक से दुरी बना लें, तो समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है, प्लास्टिक के अन्य पर्याय को अपनाना और जागरूकता एवं पर्यावरण के बचाव के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। सबसे पहले अपना स्वार्थ और आलस छोड़ें, सरकारी नीतिनियमों का कड़ाई से पालन करें। फिर प्लास्टिक के संभवत पर्यायों का अवलंबन करें। उपयोग करो और फेंक दो जैसी वस्तुओं को ना कहें। प्लास्टिक कैरीबैग को पूर्णत भूल जाएं, खाद्यपदार्थों के पैकेजिंग में प्लास्टिक का उपयोग टाले। प्लास्टिक आज सुविधा परंतु जीवनभर के लिए दुविधा है यह समझें। पर्यावरण हमें बेहतर जीवन देने के लिए है, अगर हम ही अपने पर्यावरण को बर्बाद करेंगे तो पर्यावरण भी हमें जीवन नहीं अपितु बर्बादी ही देगा, इस बात की गंभीरता को समझें और जागरूक नागरिक का फर्ज निभाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कर छूट विधेयक को लेकर ट्रंप, मस्क में जुबानी जंग तेज

वाशिंगटन/एपी

अरबपति एलन मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वाकयुद्ध कर छूट और खर्च में कटौती संबंधी अहम विधेयक को लेकर फिर तेज हो गया है। मस्क ने दावा किया कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं, जबकि ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी को लेकर टेस्ला कंपनी के सीईओ पर निशाना साधा।

मस्क और ट्रंप के बीच टकराव राष्ट्रपति के अहम विधेयक को लेकर है। मस्क ने तीन दिन पहले ही विधेयक की आलोचना तेज कर दी थी और उनका तर्क था कि रिपब्लिकन सीनेटर जिस कानून को पारित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उससे नौकरियां खत्म हो जाएंगी और उभरते उद्योग ठप पड़ जाएंगे। स्पेसएक्स कंपनी के भी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि यह विधेयक रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या के समान होगा। सीनेट द्वारा देर रात्रि तक चर्चा किए जाने के बीच, मस्क ने सुझाव दिया कि वह अगले वर्ष विधेयक के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस सदस्यों को उनकी सीटों से हटाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस के प्रत्येक सदस्य, जिन्होंने सरकारी खर्च को कम करने के लिए अभियान चलाया और फिर तुरंत इतिहास में सबसे बड़ी ऋण वृद्धि के लिए मतदान किया, उन्हें शर्म से अपना सिर झुकाना चाहिए। और अगर यह इस धरती पर मेरा आखिरी काम है तो वे अगले साल अपना प्राथमिक चुनाव हार जाएंगे।

इस पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 2.6 करोड़ बार देखा गया। कुछ घंटों बाद मस्क ने एक पोस्ट जारी कर दावा किया कि यदि विधेयक पारित हो गया तो वह एक नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। उन्होंने लिखा, अगर यह पागलपन भरा विधेयक पारित हो जाता है, तो अगले ही दिन 'अमेरिका पार्टी' का गठन हो जाएगा। हमारे देश को डेमोक्रेट-रिपब्लिकन पार्टी के विकल्प की जरूरत है ताकि लोगों के पास वास्तव में आवाज हो। अमेरिका पार्टी के बारे में मस्क की पोस्ट को 'एक्स' पर 3.2 करोड़ बार देखा गया। ट्रंप ने अपनी ओर से मस्क की आलोचनाओं में 'ईवी' अनिवार्यताओं और सब्सिडी पर जोर दिया। मंगलवार सुबह 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि मस्क को पता है कि वह 'ईवी' अनिवार्यता के खिलाफ हैं और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

इंतजार का कोई मलाल नहीं : शनाया कपूर

मुंबई/भाषा। नवोदित अभिनेत्री शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह मौका तीन साल की देरी से आया है, लेकिन उन्हें इस इंतजार का कोई मलाल नहीं है।

अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया पहले निर्माता करण जौहर की फिल्म बेधड़क से फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली थीं। इस प्रोजेक्ट की घोषणा मार्च 2022 में की गई थी, लेकिन बाद में इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

वह अब अपने अभिनय करियर की शुरुआत आंखों की गुस्ताखियां से कर रही हैं, जो एक संगीतमय रोमांटिक फिल्म है, जिसमें वह विक्रांत मैसी के साथ नजर आएंगी।

शनाया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में कहा, यह एक सपने जैसा एहसास है, और जब आप खुद को यूट्यूब पर देखते हैं, तो यह अभिभूत कर देने वाला होता है। मैं खुद को देख रही हूं और अपने संगीत वीडियो डाल रही हूं और मैं लगातार देख रही हूं कि यह कैसा दिख रहा है, दर्शक क्या कह रहे हैं, और यह एक अभिभूत कर देने वाला एहसास है। उन्होंने कहा, सब कुछ एक साथ हो गया है, और मैं इस यात्रा से खुश हूं। अगर इसमें समय लगा है, अगर इसमें उतार-चढ़ाव आए हैं... मुझे लगता है कि यह सब इसलिये हुआ, ताकि मैं आज यहां पहुंच सकूं।

शनाया (25) जानती हैं कि फिल्म कलाकार की संतान होने के कारण उनपर अतिरिक्त दबाव और निगरानी रहेगी और उन्होंने कहा कि वह हर चीज को सहजता से लेती हैं। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से जानती थी कि मैं क्या कर रही हूं और पेशे के तौर पर क्या करना चुन रही हूं। इसमें पूर्वाग्रह होते हैं, आलोचना होती है, दबाव की भावना होती है, लेकिन मैं इसे सकारात्मक रूप से लेती हूं।

नवोदित अभिनेत्री ने कहा, मैं इसे फीडबैक के रूप में देखती हूं। जब बात मेरे कपड़े पहनने के तरीके, या दिखने के तरीके या मेरे शरीर की बनावट की आती है, तो कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप अलग रख सकते हैं; ये ऐसी चीजें हैं, जिन्हें मैं फिल्टर (अनदेखा) कर सकती हूं। वह फिल्म में अपने अभिनय के प्रति दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं जानूं कि दर्शक क्या कह रहे हैं, उनकी राय क्या है, और वे मेरे बारे में, मेरे काम के बारे में जो थोड़ा-बहुत मैंने अब तक किया है, जैसे कि विज्ञापन उस पर क्या सोचते हैं। मैं लोगों के विचार जानना चाहती हूं, ताकि उन पर काम कर सकूं। मैं आलोचना को बेहद सकारात्मक रूप में लेती हूं।

संतोष सिंह द्वारा निर्देशित और मानसी बागला और निरंजन अयंगर द्वारा लिखित इस फिल्म में शनाया ने सबा नामक एक दृष्टिबाधित लड़की की भूमिका निभाई है।

एचआईवी का इलाज उपलब्ध, फिर भी क्यों जरूरी है उपचार की खोज?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

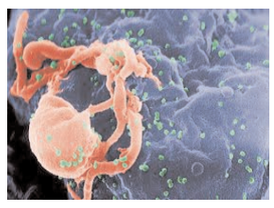

सिडनी। एचआईवी के इलाज और रोकथाम के लिए बीते तीन दशक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और आधुनिक दवाओं की मदद से एचआईवी अब एक ऐसा संक्रमण बन चुका है जिसका इलाज हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोई एचआईवी संक्रमित व्यक्ति समय पर और नियमित रूप से एंटीरेट्रोवायरल दवाएं लेता है, तो उसकी जीवन प्रत्याशा लगभग सामान्य होती है। साथ ही ये दवाएं संक्रमण को दूसरे व्यक्तियों तक फैलने से भी रोकती हैं।

हालांकि, एचआईवी का कोई प्रभावी टीका अब तक विकसित नहीं हुआ है। लेकिन उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए संक्रमण से बचाव के लिए प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) नामक प्रभावी दवाएं उपलब्ध हैं, जो रोजाना या जरूरत के अनुसार ली जा सकती हैं। हाल ही में अमेरिका में छह महीने तक सुरक्षा देने वाला इंजेक्शन भी स्वीकृत हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि एचआईवी की दवाएं और पीआरईपी तभी कारगर हैं जब उनकी सतत आपूर्ति बनी रहे। लेकिन विश्व के कई हिस्सों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमाएं, दवाओं की महंगी कीमत और राजनीतिक अस्थिरता इन उपायों को फलीभूत होने की बात तो दूर, उन्हें कमजोर बना देती है।

उदाहरण के तौर पर, अमेरिका द्वारा हाल में अपनी विदेशी सहायता (यूएसएआईडी) में कटौती करने से कई निम्न-आय वाले देशों में एचआईवी दवाओं की आपूर्ति खतरे में पड़ गई है। इसी तरह पीआरईपी इंजेक्शन की ऊंची लागत के कारण इसे उन देशों में उपलब्ध कराना मुश्किल है जहां एचआईवी का बोझ सबसे अधिक है।

यह उपचार और रोकथाम के लिए वर्तमान दृष्टिकोण की कमजोरी को दर्शाता है। एचआईवी दवा की एक सुरक्षित, निर्बाध आपूर्ति की आवश्यकता है, और इसके बिना, लोगों की जान जाएगी और एचआईवी के नए मामलों की संख्या बढ़ जाएगी। एक और उदाहरण छमाही पीआरईपी इंजेक्शन है जिसे हाल ही में अमेरिका में मंजूरी दी गई है। इस दवा में एचआईवी को नियंत्रित करने की बहुत संभावना है बशर्ते इसे सबसे अधिक एचआईवी बोझ वाले देशों में उपलब्ध और सस्ता बनाया जाए।

लेकिन कम आय वाले देशों के लिए इस महंगी दवा तक पहुंचने की संभावना अनिश्चित दिखती है, भले ही इसे इसकी वर्तमान लागत के एक हिस्से से बनाया जा सके, जैसा कि कुछ शोधकर्ता कहते हैं।

अब तक सात से अधिक मामले सामने आए हैं जहां एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में संक्रमण के कोई चिन्ह नहीं मिले। लेकिन ये सभी मरीज कैंसर से पीड़ित थे और उन्हें बोन मैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता थी। उन्हें ऐसे डोनर से बोन मैरो प्रतिरोपण किया गया जिनके शरीर में एचआईवी रिसेप्टर मौजूद नहीं थे। हालांकि यह तरीका जोखिमपूर्ण और महंगा है और बड़े पैमाने पर लागू नहीं किया जा सकता। इसलिए विशेषज्ञ वैकल्पिक इलाज की खोज जारी रखने पर बल दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक प्रयोग में शोधकर्ताओं ने एमआरएनए आधारित एक नैनोपार्टिकल विकसित किया है जो एचआईवी संक्रमित कोशिकाओं को ''छिपे हुए'' एचआईवी वायरस को उजागर करने के लिए प्रेरित करता है। इससे रोग प्रतिरोधक तंत्र या दवाएं वायरस को खत्म कर सकती हैं। यह प्रयोगशाला स्तर पर सफलता है, लेकिन अभी इसका मानव परीक्षण होना बाकी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इलाज की दिशा में ऐसे कई कदम और अनुसंधान आवश्यक हैं जो समय और संसाधनों की मांग करते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक एचआईवी के लिए कोई सुरक्षित, किफायती और प्रभावी इलाज नहीं विकसित हो जाता, तब तक रोकथाम और उपचार की मौजूदा रणनीतियों पर भरोसा करना होगा। इसके लिए सभी को बराबरी से जांच, पीआरईपी और दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

पुरी जगन्नाथ की फिल्म में विजय सेतुपति के साथ दिखेंगी संयुक्ता

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक पुरी जगन्नाथ की बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म की शूटिंग अब जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। फिल्म में अभिनेता विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। पुरी जगन्नाथ की इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर प्रशंसकों और सिने प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। पहले यह शूटिंग जून के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब इसे जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करने का फैसला लिया गया है। फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल में विजय सेतुपति के साथ अन्य एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म पुरी जगन्नाथ के प्रोडक्शन हाउस 'पुरी कनेक्ट्स' के बैनर तले बन रही है, जिसे चार्मी कौर प्रस्तुत कर रही हैं। इसके साथ ही जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रोल्ला के सहयोग से फिल्म की भव्यता को और बढ़ाया जाएगा।

फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता, विजय सेतुपति के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगी, जबकि तब्बू और विजय कुमार महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, संयुक्ता का किरदार कहानी में महत्वपूर्ण होगा। वह शानदार अंदाज में फिल्म में दिखेंगी। संयुक्ता इस कहानी और अपने किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पहले शेड्यूल के लिए हैदराबाद और चेन्नई में लोकेशन की खोज पूरी हो चुकी है। यह पैन-इंडिया फिल्म हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।पुरी जगन्नाथ अपनी शानदार कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में वह विजय सेतुपति की प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस के साथ अपने खास अंदाज को पेश करेंगे।

यह फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म होगी, जिसमें अनूठी कहानी और पुरी के खास निर्देशन का मिश्रण होगा। सभी प्री-प्रोडक्शन तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। पुरी जगन्नाथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्देशक हैं, जो तेलुगू फिल्म 'बदरी', 'इत्लु श्रावणी सुब्रमण्यम', 'अप्पू', 'इडियट', 'देसमुदुरु', 'बिजनेसमैन', और 'पोकरी' जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

शब्बीर आहलूवालिया के साथ अभिनय करना सपना सच होने जैसा: आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आशी सिंह का कहना है कि सोनी सब के शो उफ्फ ये लव है मुश्किल में शब्बीर आहलूवालिया के साथ अभिन करना उनके लिये सपना सच होने जैसा है। सोनी सब के रोमांटिक कॉमेडी शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में कैरी शर्मा की भूमिका निभा रहीं आशी अपने को-स्टार शब्बीर आहलूवालिया की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हैं। उनके साथ अभिनय करना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह शो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को सामने लाता है, जिसमें शब्बीर आहलूवालिया युग सिन्हा के रूप में एक रहस्यमयी, रूखे और गंभीर किरदार निभा रहे हैं, वहीं आशी का किरदार कैरी एक चुलबुली और खुशमिजाज युवती का है, जो एक सफल वकील बनने का सपना देखती है। स्क्रीन पर जहां दोनों की नोकझोंक देखने लायक होती है, वहीं पर्दे के पीछे आशी ने एक मजेदार शौक पाल लिया है। शब्बीर की तस्वीरें चोरी-छुपे खींचने का, जब वह अपने 'युग मोड' में होते हैं, रहस्यमय, गंभीर और हल्के से चिड़चिड़े! आशी सिंह ने इंस्टाग्राम पर मजाकिया अंदाज में लिखा,पूरी कोशिश की कि शब्बीर की एक कैंडिड फोटो ले सकूं जब वो पूरी तरह युग बने हुए थे... लेकिन जाहिर है, वो फिर भी ऐसे लगते हैं जैसे शूट से सीधा बाहर निकले हों। बिना मेहनत के इतने हैंडसम लगना , कैसे करते हो यार। आशी सिंह ने कहा, शब्बीर आहलूवालिया को युग के किरदार में ढलते हुए देखना मेरे लिए सबसे मजेदार अनुभवों में से एक है। वो इस किरदार में इतनी स्वाभाविक गंभीरता लाते हैं । यह सहज होता है, लेकिन बहुत प्रभावशाली। जब वो युग के गंभीर पलों में होते हैं, तब भी वो किसी परफेक्ट तस्वीर जैसे लगते हैं। रोज उन्हें इतने करीब से काम करते देखना मेरे लिए किसी मिनी मास्टरक्लास से कम नहीं है।

लांच

अभिनेता मानुषी छिल्लर, राजकुमार राव, प्रोसेनजीत चटर्जी तथा अन्य लोग मंगलवार को मुंबई में आगामी फिल्म 'मालिक' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए।

फिल्म 'सरज़मीन' का पहला लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जियो हॉटस्टार की आने वाली फिल्म सरज़मीन का पहला लुक रिलीज हो गया है। कश्मीर में तेजी से हो रहे उथल-पुथल की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म सरज़मीन ,विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) पर आधारित है, जो एक सम्मानित सेना अधिकारी है, जो अपने कर्तव्य और व्यक्तिगत बलिदान की अडिग भावना के लिए जाना जाता है। मीरा (काजोल), एक मजबूत मां और पत्नी के रूप में, परिवार को एक साथ रखने के लिए संघर्ष करती है। हरमन (इब्राहिम अली खान) एक युवा व्यक्ति की भूमिका में उबलती हुई तीव्रता लाता है, जो यादों और परेशान करने वाली सच्चाइयों के बीच फंस जाता है। निर्माता करण जौहर ने कहा, सरज़मीन कर्तव्य, परिवार और हमें परिभाषित करने वाले विकल्पों के बारे में एक गहरी भावनात्मक कहानी है।

यह सिर्फ़ एक थ्रिलर नहीं है, यह एक व्यक्तिगत और शक्तिशाली यात्रा है, जो उस समय को बयां करती है जिसमें हम रह रहे हैं। ईमानदारी और दिल से, यह पता लगाता है कि जब आपके आस-पास की हर चीज़ का परीक्षण किया जाता है, तो अपने मूल्यों के प्रति सच्चे रहने का क्या मतलब है। हम इस कहानी को देश भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए एक बार फिर जियोहॉटस्टार के साथ सहयोग करके खुश हैं, यह एक साझेदारी है जो सार्थक कहानी कहने का समर्थन और जश्न मनाती रहती है।

निर्माता अपूर्व मेहता ने कहा, धर्मा में, हम ऐसी कहानियाँ बताने में विश्वास करते हैं, जो भावनात्मक रूप से जुड़ती हैं और एक स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं। सरज़मीन एक ऐसी ही फ़िल्म है, जिसमें पैमाना और दिल दोनों हैं। कायोज़ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता के साथ संभाला है, और पृथ्वीराज, काजोल और इब्राहिम का अभिनय शक्तिशाली और मार्मिक है। हमें इस फ़िल्म को पूरे भारत में दर्शकों तक पहुंचाने के लिए जियोहॉटस्टार के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो सार्थक और आकर्षक सिनेमा का आनंद लेते हैं।

सरज़मीन के साथ अपने फीचर निर्देशन की शुरुआत कर रहे कायोज़ ईरानी ने कहा, सरज़मीन हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगी, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि यह एक निर्देशक के तौर पर मेरी पहली फीचर फ़िल्म है, बल्कि इसलिए भी कि इसने मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका दिया जो बेहद अंतरंग और गहन दोनों है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं करण, अपूर्व और पूरे धर्मा परिवार का बहुत आभारी हूँ।

पृथ्वीराज सर, काजोल मैम और इब्राहिम जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना, जिनमें से हर किसी ने अपने अभिनय में इतनी भावनात्मक गहराई और ईमानदारी लाई है, किसी सम्मान से कम नहीं है। फिल्म सरज़मीन 25 जुलाई, 2025 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

जम्मू में अमरनाथ यात्रा पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

जम्मू/भाषा। जम्मू में प्रशासन द्वारा अमरनाथ यात्रा के लिए मौके पर ही पंजीकरण शुरू किये जाने के बाद मंगलवार को देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु यहां जम्मू पहुंचे।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर की यात्रा औपचारिक तौर पर तीन जुलाई को शुरू होगी।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है।

प्राधिकारियों ने यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा।

उप संभागीय मजिस्ट्रेट मनु हंसा ने कहा, ''अमरनाथ यात्रा के लिए देश के अन्य भागों से जम्मू पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए मौके पर पंजीकरण शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं को टोकन दिये जाने के साथ यह किया जा रहा है।''

अधिकारियों ने बताया कि यहां शालीमार इलाके में अपंजीकृत श्रद्धालुओं के लिए मौके पर ही पंजीकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि पुरानी मंडी स्थित राम मंदिर परिसर में साधुओं के पंजीकरण के लिए एक विशेष शिविर बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''पंजीकरण तीन केंद्रों - वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा - पर किया जा रहा है। सरस्वती धाम एकमात्र केंद्र है, जहां से भक्त टोकन प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकरण केंद्र सुबह सात बजे खुल गए।''

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू स्थित राम मंदिर में साधुओं का पंजीकरण शुरू हो गया है और उनके लिए सभी इंतजाम किये गये हैं। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक साधु राम मंदिर परिसर में पहुंचे हैं, जो उनके लिए आधार शिविर है। उन्होंने बताया कि यहां उनके लिए भोजन और ठहरने की व्यवस्था की गई है।

ईशा कोप्पिकर ने आत्म-मूल्य और आत्मबल का आंदोलन छेड़ा

मुंबई/एजेन्सी

न्यू ऐज क्रीन ईशा कोप्पिकर एक बार फिर लौटी हैं- इस बार नए ज़माने के लिए नए लेकिन ज़रूरी संदेश के साथ। - एक ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर समाज आपको झुकने, ढलने और किसी तय मानक के अनुरूप बनने के लिए कहता है, वहाँ अपनी सच्चाई में अडिग रहना आत्म-सम्मान का सबसे बड़ा प्रतीक है। अपने नवीनतम वीडियो में ईशा ने एक गहराई से भरा और प्रेरणादायक संदेश दिया है खुद के सच्चे रूप में टिके रहना और दूसरों की कसौटियों में फिट होने के लिए खुद को छोटा न करने के बारे में एक मजबूत और आत्मा को झकझोर देने वाला संदेश देती हैं।

शांत आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ ईशा हमें याद दिलाती हैं कि हमें बाहरी दुनिया से मान्यता पाने की ज़रूरत नहीं है हमारे भीतर ही सब कुछ मौजूद है जिसकी हमें ज़रूरत है। तुम जैसे हो, वैसे ही पर्याप्त हो, वो कहती हैं। यह रषषळीरींळेप (सकारात्मक पुष्टि) उन सभी के लिए बहुत ज़रूरी है जो कभी-कभी खुद पर संदेह करने लगते हैं।

उनके शब्द आत्मविश्वास के सार को दर्शाती हैं - न ज़ोरदार, न दिखावटी या शेखी बघारने वाले नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी और अडिग। ईशा कहती है, आपको खुद को छोटा करने, बदलने या स्वीकृति पाने की कोशिश करने की ज़रूरत नहीं है। मैं यहाँ आपको याद दिलाने आई हूँ: आप जैसे हो, वैसे ही पर्याप्त हो। मजबूती से खड़े रहो। सच्च बोलो। अपनी क़ीमत पहचानो। =

वीडियो के अंत में ईशा दर्शकों से कहती हैं, खड़े रहो, सच बोलो, अपनी कीमत पहचानो, यह सिर्फ एक मोटिवेशनल संदेश नहीं रह जाता, बल्कि उन सभी के लिए एक निजी मंत्र बन जाता है जो बिना किसी शर्म के खुद को स्वीकार करना सीख रहे हैं। खुदसेखुदारी सिर्फ़ एक हैशटैग नहीं है, यह एक आंदोलन है और ईशा इसे शालीनता, धैर्य और ईमानदारी के साथ नेतृत्व कर रही हैं।

और इस तरह के शक्तिशाली संदेश को साझा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोशल मीडिया दिवस से बेहतर दिन और क्या हो सकता है? एक ऐसे मंच पर जहाँ अक्सर तुलना और क्यूरेटेड परफ़ेक्शन को बढ़ावा दिया जाता है, ईशा के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि स्वयं होना ही सबसे बड़ा सौंदर्य है। डिजिटल दुनिया का उपयोग हमें ऊपर उठाने के लिए हो नीचा दिखाने के लिए नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 02-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

मदुरै तेरापंथ युवक परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनिश्री हिमांशु कुमारजी एवं मुनिश्री हेमंत कुमारजी के पावन सान्निध्य में अन्ना नगर में मदुरै तेरापंथ युवक परिषद् का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम हुआ। मुनिश्री ने नमस्कार महामंत्र एवं जप का प्रयोग कराया। परिषद के सदस्यों ने सामुहिक विजय गीत का संगान किया। परिषद के निवृतमान अध्यक्ष अमृत चोपड़ा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विशाल घिया को शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विशाल गीया ने अपनी नवगठित टीम को शपथ दिलाई।

अध्यक्ष विशाल घिया की टीम में उपाध्यक्ष द्वय अरुण गोलेछा और संदीप बोकड़िया, मंत्री ऋषभ नाहटा, सहमंत्री द्वय अंकित बोथरा और नीलेश संकलेचा, कोषाध्यक्ष बिनीत बोथरा, संगठन मंत्री पंकज कोठारी, निवृतमान अध्यक्ष – अमृतलाल चोपड़ा, प्रचार प्रभारी राजकुमार नाहटा हैं। अशोक जीरावला ने बताया कि वहीं ग्यारह सदस्यों को कार्यकारिणी में लिया गया है। संचालन राजकुमार नाहटा ने किया।

अनुशासन ही धर्म का प्राण है : कमल मुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के केएलपी श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ में 1 जुलाई को राष्ट्रसंत कमल मुनि जी 'कमलेश' ने धर्मसभा को संबोधित करते कहा कि अनुशासन धर्म का प्राण साधना के लिए ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है।

अनुशासनहीनता में किया गया वरदान जैसा काम भी अभिशाप में बदल जाता है।

उन्होंने कहा कि कठोर अनुशासन करने वाले को अपना उपकारी मानता है, उसका कल्याण होता है और जिसको अनुशासन करने वाला बुरा लगता है उसका पतन निश्चित है। मुनि कमलेश ने बताया कि आत्मानुशासन सर्वश्रेष्ठ है, जिसका मन इसमें रमन करता है वह देवतुल्य बन जाता है। उसका कल्याण दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती।

उन्होंने कहा कि अनुशासन में रहने वाले ही महापुरुष बने हैं, उन स्वयं ने पालन किया सभी को पालन करने की प्रेरणा दी। जैन संत ने कहा कि विश्व के सभी धर्म में अनुशासन को प्रथम स्थान दिया है, स्वच्छंदता और अनुशासनहीनता जीवन के खतरनाक शत्रु हैं।

साहूकार पेट जैन संघ चेन्नई के अध्यक्ष प्रकाश खींवेसरा, अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली जीव दया प्रकोष्ठ के संजय जैन, उदयपुर, प्रसन्नन बोहरा, तारा भटेवरा जैन संस्कार मंच महिला शाखा प्रतिनिधि मंडल जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु महिला शाखा अध्यक्ष संगीता जैन ने सेवा का लाभ लिया महामंत्र नवकार का जाप हुआ।

डॉक्टर्स-डे पर पौधों का दान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के मौके पर डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने जीवितम ट्रस्ट को 500 पौधे दान किए। पौधा दान समारोह अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ वरिष्ठ डॉक्टर, कर्मचारी और जीवथम ट्रस्ट के प्रतिनिधि और स्वयंसेवक ग्रह को स्वस्थ बनाने और पोषित करने की दोहरी प्रतिबद्धता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। इस पहल के बारे में बात करते हुए, हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डॉ. पी. सत्यनारायणन ने कहा, डॉक्टर्स डे न केवल नैदानिक उत्कृष्टता का उत्सव है, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को संरक्षित करने का भी दिन है, जिसमें हम पनपते हैं। एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स में, हम मानते हैं कि उपचार में बीमारी को ठीक करने से कहीं ज़्यादा शामिल है, इसमें भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य भी शामिल है – सभी के लिए एक स्वस्थ दुनिया बनाना।

इन पौधों को लगाना जीवन, विकास और स्थिरता के प्रति हमारी पहल है। चेन्नई स्थित जीवितम ट्रस्ट हरित आवरण, संधारणीय जीवन और समग्र सामुदायिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से पहल कर रहा है। एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स के साथ उनका सहयोग स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और पर्यावरण कल्याण के बीच संरेखण को मजबूत करता है।

मैलापुर जैन संघ के सदस्यों तीन दिन में तीन शहरों में चातुर्मास प्रवेश में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वीएसएस जैनसंघ मैलापुर के सदस्यों ने तीन दिन में तीन अलग अलग शहरों में चातुर्मास प्रवेश में भाग लिया।

प्रतिनिधि मंडल ने 28 जून को कोयम्बटूर में साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी का चातुर्मास, 29 जून को इंदौर में श्री श्रुतमुनिजी म. सा. का चातुर्मास प्रवेश तथा 30 जून को महाराष्ट्र के धुले में साध्वीश्री सिद्धिसुधाजी म.सा. का चातुर्मास प्रवेश में भाग लिया।

इस पावन यात्रा में शामिल रहे संघ के अध्यक्ष शांति चोरडिया, सचिव विमलचंद खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचंद कांकलिया, युवक संघ अध्यक्ष संजय सेठिया तथा अन्य समर्पित सदस्यों में राजेन्द्र बैद, दिलीप राका, ललित संचेती, गौतम छाजेड़, अभयकुमार मेहता शामिल हुए।

पूरी यात्रा में गुरुजनों के दर्शन, आशीर्वचन और सत्संग सब कुछ ऐसा लगा मानो आत्मा के आंगन में कोई राग मधुरता से गूंज रहा हो। हर एक वाणी, हर एक मुस्कान, और हर एक आशीर्वाद ने संघजनों को भीतर तक छू लिया।

जीतो साउथ लेडीज विंग के 'हाट बाजार' में दिखा ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत आदर्श कॉलेज में हाट बाजार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन जीतो एपेक्स, केकेजी जोन व जीतो चैप्टर के पदाधिकारी, जीतो लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, महामंत्री निधि पालरेचा एवं कार्यक्रम संयोजिका संगीता पारख, सहसंयोजिका संगीता सियाल ने किया। जीतो साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी व मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने शुभकामनाएं दी। लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि साधर्मिक महिला उद्यमी को व्यावसायिक क्षेत्र में आगे लाना ही सेवा कार्य परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। हॉट बाजार में कपड़े, खाद्य आइटम, राखी, घरेलू साजसज्जा के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। हाट बाजार' में ग्राहकों ने जमकर खरीददारी की तथा उत्पादों के बारे में जानकारी ली। इस कार्यक्रम में जीतो एपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत, केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, साउथ चैप्टर के उपाध्यक्ष राजकुमार कोठारी, केकेजी जोन जीतो लेडीज विंग की संयोजक पिंकी जैन, श्रमण आरोग्यम एपेक्स की संयोजक सुनीता गांधी, लघु घरेलू व्यवसाय मॉडल एपेक्स की संयोजक बिंदु रायसोनी, पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर, नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ उपस्थित थे। हाट बाजार प्रदर्शनी की व्यवस्था लेडीज विंग कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री चंद्रा जैन व साक्षी जैन सहित अनेक सदस्याओं ने संभाली। महामंत्री निधि पालरेचा ने धन्यवाद दिया।

संस्कार वाटिका के बच्चों ने दिखाया सही जैनत्व जीने का रास्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के उपनगर वडवली स्तिथ चिन्मया स्कूल के भव्य ऑडिटोरियम में रविवार देर शाम आरएस पुरम श्री शंखेश्वर जैन मंदिर द्वारा संचालित संस्कार वाटिका का चौथा संस्कारोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन मुख्य प्रायोजक महावीर लेमिनेट्स के राकेश मेहता राजू मेहता, सह प्रायोजक सिल्वर पैलेस के निहालचंद कोचर महावीर कोचर, मंदिर के अध्यक्ष भानु भाई शाह, सचिव हसमुख जैन, अशोक मेहता, तुषार किकानी, प्रदीप किकानी, सुपार्श्वनाथ मंदिर के अध्यक्ष गुलाबचंद मेहता और अन्य गणमान्य लोगों ने किया। संस्कार वाटिका के बच्चों ने विभिन्न धार्मिक भावनाओं से भरे संगीतमय प्रस्तुति दी। नाटकों में हाल में जैन समाज की समस्याओं का ब्योरा दिया और समाधान का भी हल बताया। इस कार्यक्रम का संचालन नैलेश शाह और भाविक बोहरा ने किया। कार्यक्रम में प्रायोजकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अरिहंत युवक मंडल के पूर्व अध्यक्ष आशीष खंडोर, अध्यक्ष भाविक बोहरा, सचिव विजय शाह और सदस्यों के साथ संस्कार वाटिका के अध्यापक और बच्चों का अहम योगदान रहा।

कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में एससी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी फेडरेशन की प्रांतीय शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग प्रदान करने हेतु कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन कोला पेरुमाल चेट्टी विद्यालय के सभागार में किया गया। अध्यक्ष अशोक केडिया की अध्यक्षता में आयोजित इस माप शिविर में क़रीब 25 जरुरतमंद लोगों के माप लिए गए।

इस शिविर में महामंत्री मोहनलाल बजाज, पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, प्रायोजक एस.सी. अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, रामावतार रुंगटा, मुरारीलाल सोंथालिया, प्रेम नायर,संपत व विद्यालय के छात्रों ने सहयोग दिया।

एस.सी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से 27 जुलाई को डी. जी. वैष्णव कालेज के प्रांगण में एक भव्य कार्यक्रम में कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएँगे।

फैशन का जश्न, धूम मचाने आ रही हाई लाइफ एग्जिबिशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ एग्जिबिशन एक बार फिर शानदार प्रॉडक्ट्स लेकर आ रही है। इसका आयोजन 3, 4 और 5 जुलाई को 'द ललित अशोक' में होगा। इस बार यह एग्जिबिशन पहले से कहीं ज़्यादा धूम मचाने वाली है। यहां देशभर के नामी डिज़ाइनरों के अद्भुत कलेक्शन मिलेंगे। चाहे शादी का जोड़ा हो या फिर त्योहारों के लिए स्टाइलिश परिधान, बेशकीमती गहने हों या लाइफस्टाइल के लिए शानदार चीज़ें, सबकुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

आप शादी के लिए कुछ ख़ास प्रॉडक्ट तलाश रहे हों या अपने स्टाइल को नया लुक देना चाहते हों, यह एग्जिबिशन सपने को हकीकत में बदलने के लिए तैयार है। आयोजकों ने कहा कि फैशन के इस जश्न में शामिल हों, जहां ग्लैमर और भव्यता आपके इंतज़ार में हैं।

'निस्वार्थ सेवा अपार खुशियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शिव शक्ति सोशल ग्रुप के साथ मिलकर अपने मूल मंत्र 'निस्वार्थ सेवा अपार खुशियां' को साकार करते हुवे चुलै के पीटीली चेंगलवाराया निकर स्कूल के बच्चों को जूते व मौजे का वितरण किया।

साथ ही उन्हें जूस और स्नैक्स भी बांटा गया। विद्यालय के नन्हे मुन्हे बच्चों के चेहरों की खुशी एक अलग ही तरह की आत्मसंतुष्टि का अनुभव करा रही थी। फूड बैंक के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, चेयरपर्सन प्रेमलता टावरी, मदन मोहन राठी, शोभना सिकची, पायल गोईदानी, सपना बिसानी, कीर्ति बागड़ी, सुनीता सुरजन, आरती साबू आदि उपस्थित रहे।

जम्मू में अमरनाथ यात्रा से पहले पंजीकरण काउंटर के बाहर मंगलवार को साधु प्रतीक्षा करते हुए।

जीतो लेडीज विंग गदग की 'उड़ान' प्रदर्शनी ने भरी ऊंची उड़ान

हुब्बल्ली। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के तहत लेडीज विंग गदग ने केकेजी जोन उड़ान व्यापार मेले' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एमबी. संकाद, हुब्बल्ली गदग जीतो के पदाधिकारियों ने दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उदघाटन के मौके पर जीतो के प्रवीण बाफना, पुष्पक होमनावर, दिलीप जैन, संतोष पोरवाल, ओमप्रकाश जैन, भरत पटवारी, अनिल कुमार जैन और प्रवीण चौधरी, गदग लेडीज विंग की स्वीटी भंसाली, मुख्य सचिव इंदिरा बागमार उपस्थित थे। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी परिसर समूह के जितेंद्र भंसाली द्वारा प्रायोजित और भंसाली एंटरप्राइजेज, विमल रसोई और विमल क्रिएशन द्वारा समर्थित थी। प्रदर्शनी की योजना और क्रियान्वयन संयोजिका संतोष गदिया और अंकिता जैन ने की थी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.